



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 248।
No. 248।

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 13, 2005/भाद्र 22, 1927
NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 13, 2005/BHADRA 22, 1927

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 13 सितम्बर, 2005

अंतिम जांच परिणाम

विषय :— ईयू, जापान, कनाडा और अमरीका के स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा।

फा. सं. 15/16/2004-डीजीएडी.—जबकि 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं वसूली तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए, निर्दिष्ट प्राधिकारी ने ईयू, जापान, कनाडा और अमरीका (जिन्हें एतदपश्चात संबद्ध देश कहा गया है) के स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हुए 19 अक्टूबर, 2002 की अधिसूचना सं. 24/1/2001-डीजीएडी के द्वारा अपने अंतिम जांच परिणाम अधिसूचित किए थे। निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 5 दिसम्बर, 2002 की सीमाशुल्क अधिसूचना सं. 134/2002-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था।

2. और जबकि निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात प्राधिकारी कहा गया है) को मैसर्स एसीरिनोक्स एस0ए०, स्पेन से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें क्षति के बारे में परिवर्तित परिस्थितियों के कारण संबद्ध माल के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा किए जाने का अनुरोध किया गया है। समीक्षा हेतु किए गए इस अनुरोध जिसमें सकारात्मक सूचना निहित है, का यूरोपीय संघ द्वारा पूर्ण समर्थन किया गया था। भारत में ईयू, जापान, कनाडा और अमरीका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की मध्यावधि समीक्षा की शुरूआत निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा नियम 23 के अनुसार, 14 सितम्बर, 2004 की अधिसूचना सं. 15/16/2004-डीजीएडी द्वारा यह निर्धारित करने के लिए की गयी थी कि क्या पाटन को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी शुल्क लगाए रखना अपेक्षित है और क्या यदि शुल्क को समाप्त कर दिया जाता है अथवा उसमें घट-बढ़ की जाती है अथवा दोनों स्थितियों में क्षति के जारी रहने अथवा उसकी पुनरावृत्ति होने की संभावना रहेगी।

क. मूल जाच

3. संबद्ध देशों से सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं के 600 मि.मी. और अधिक चौड़ाई वाले स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों, चाहे उनका आगे प्रसंस्करण किया गया हो अथवा नहीं, के आयातों से संबंधित मूल जाच 21 अगस्त, 2001 को शुरू की गयी थी, प्राधिकारी द्वारा प्रारंभिक जाच परिणाम 29.11.2001 को जारी किए गए थे और अनन्तिम शुल्क 26.12.2001 की सीमाशुल्क अधिसूचना द्वारा लगाया गया था । अंतिम जाच परिणाम 15.10.2002 को जारी किया गया था और निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क 5 दिसम्बर, 2002 की सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 134/2002-सीमाशुल्क द्वारा लगाया गया था ।

ख. प्रक्रिया

4. इस जाच के संबंध में निम्नलिखित निर्धारित प्रक्रिया अपनायी गयी है :-

(i) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अध्याय 72 की शीर्ष सं 7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 और 7219.90 के अंतर्गत शामिल भारत में ईयू, जापान, कनाडा और अमरीका के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं की 600 मि.मी. अथवा अधिक चौड़ाई वाले स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क की समीक्षा की कार्रवाई शुरू करते हुए दिनांक 14 सितम्बर, 2004 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया । प्राधिकारी ने ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, धरेलू उद्योग, भारत में सम्बद्ध देशों के दूतावासों, भारत में ईसी के शिष्टमंडल को उक्त सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी तथा उन्हें अपने विद्यार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया ।

(ii) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियम 6 के उपनियम (3) के अनुसार निम्नलिखित सभी ज्ञात निर्यातकों और भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को याचिका की प्रति उपलब्ध कराई और उक्त नियम-6 के उप नियम 4 के अनुसार प्राधिकारी ने इस समीक्षा की शुरूआत की तारीख से थालीस दिनों के भीतर निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए एक प्रश्नावली भी भेजी:-

1.	मैसर्स आसेरिनोक्स एस.ए. साटियागो डी कम्पोस्टेला, 100 26035 मैड्रिड स्पेन
2.	मैसर्स आल्ज एनवी स्थिभेन विजेवेंग 5 इण्डस्ट्रीएजे बिएड जेंक - जुईड, जोने - 6ए बी- 3600 जेंक/बेल्जियम बेल्जियम - यूरोपीयन यूनियन

3.	मैसर्स ऑटोक्रम्पू ओयज, रिहिटनटुन्टी 7 डी, पीओ बॉक्स 27, फिन - 02201 एस्पू, फिनलैण्ड
4.	मैसर्स यूजीन (डिविजन ऑफ यूजिनार) इस्यूबल पैसिफिक, 13 कौर्स वाल्मी, 92070 ला डिफेन्स 7 सीडेक्स, फ्रांस - यूरोपीयन यूनियन
5.	मैसर्स निष्पोन मैटल इण्डस्ट्री कं0 लि0, शिंजुकु मित्सुई बिल्डिंग, 2-1-1, निशी - भिंजुकु -वु टोक्यो - 163-0470 जापान
6.	मैसर्स जेएफई स्टील कारपोरेशन, 2-2-3 उचिसाईवाईचो, शियोडा -कु टोक्यो 100-001 जापान
7.	मैसर्स एटलस स्पेशिलिटी स्टील्स वन सेंटर स्ट्रीट, वेल्लान्द, ऑट एल3बी 5आर 7 कनाडा
8.	मैसर्स जे एण्ड एल स्पेशिलिटी स्टील, इंक, पीओ बॉक्स 3373 पिट्सबर्ग पीए 15230 - 3373 यूएसए
9.	श्री ए.के. स्टील कारपोरेशन, 703 कुर्टिस, मिडलटाउन, ओएच 45043 यूएसए

10.	मैसर्स एलीघेनी लुडलम, एन एलीघेनी टेक्नोलॉजीज कम्पनी, 1000 सिक्स पीपीजी 15222 - 5479 यूएसए
11.	मैसर्स नार्थ अमेरिकन स्टेनलैस, 6870 हाईवे 42 ईस्ट, घेंट, की 41045 यूएसए
12.	मैसर्स आर.एम. क्रिएशन्स, इंक 303, 5वां एवेन्यू सुईटे 1707 न्यूयार्क, एनवाई 100016

(iii) केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीईसी) और वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआई एंड एस) से संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे मुहैया कराने का अनुरोध किया गया था।

(iv) संबद्ध देशों के दूतावासों और भारत में ईसी के शिष्टमण्डल को नियम 6(2) के अनुसार जांच शुरू करने के संबंध में सूचना दी गयी थी और यह अनुरोध किया गया था कि वे अपने-अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें। निर्यातकों को भेजे गए पत्र, आवेदन-पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी उन्हें भेजी गयी।

(v) नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं/उद्योग संघों को एक प्रश्नावली भेजी गयी:-

1.	रत्ना गुरु स्टेनलैस, मुम्बई - 400004
2.	अल्फा लावल (आई) लिं, 0 पुणे - 411012
3.	भण्डारी फॉयल्स प्रा० लिं 0 देवास (म० प्र०) 455001

4.	रत्नामणि मैटल्स एण्ड ट्यूब्स लिंग, अहमदाबाद - 380013
5.	सलेम स्टेनलैस स्टील सप्लायर्स, चेन्नई - 600003
6.	सूरज स्टेनलैस रोड़, अहमदाबाद - 380009
7.	मैसर्स संघर्षी स्टील कार्पोरेशन, मुम्बई
8.	मैसर्स रिलायन्स स्टेनलैस स्टील मुम्बई
9.	मैटल एण्ड स्टैनलैस स्टील मुम्बई - 400004
10.	अर्विन एंग्जॉर्स्ट इंडिया प्रा० लिंग चेन्नई - 600058
11.	एम० पटवारी, ट्रेडर्स प्रा० लिंग, मुम्बई - 400020
12.	एसीएमए, नई दिल्ली - 110067
13.	मारुति उद्योग लिमिटेड नई दिल्ली-110001
14.	हुंडई मोटर इंडिया लिंग तमिलनाडु - 602105 भारत
15.	फोर्ड इंडिया लिंग तमिलनाडु
16.	टोयोटा किलोस्कर मोटर बंगलौर (ग्रामीण) जिला
17.	जय भारत मारुति लिंग गुडगांव-122015

(vii) प्राधिकारी ने दिनांक 18 जनवरी, 2005 को आयोजित सार्वजनिक सुनवाई में हितबद्ध पक्षकारों को अपने विचारों को मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर दिया। अपने विचार प्रस्तुत करने वाले सभी पक्षकारों से उनके द्वारा व्यक्त किए गए विचारों को लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अनुरोध किया गया था। पक्षकारों को प्रतिवादी पक्षकारों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की प्रतिलिपियाँ रखने और उनके खण्डन प्रस्तुत करने, यदि कोई हो, का अनुरोध किया गया था।

(viii) प्राधिकारी ने नियम 6(7) के अनुसार अनुरोध करने पर निरीक्षण हेतु विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सांक्षण्यों के अगोपनीय अंशों वाली सार्वजनिक फॉइल को सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया था।

(ix) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा सार्वजनिक सुनवाई के बाद मध्यावधि समीक्षा जांच की शुरूआत के बाद तथा प्रकटन विवरण के उत्तर में दिए गए तर्कों पर इन जांच परिणामों में उचित ढंग से विचार किया गया है।

(x) संबंधित नियमावली के नियम 16 के अनुसार इन जांच परिणामों के लिए विचार-विमर्श किए गए आवश्यक तथ्यों/आधारों का एक प्रकटन विवरण द्वारा दिनांक 24 अगस्त, 2005 को खुलासा किया गया था और इस पर प्राप्त टिप्पणियों पर भी इन जांच परिणामों में विधिवत ढंग से विचार किया गया था।

(xi) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने एवं बेचने में आने वाली लागत की गणना के लिए घरेलू उद्योग की मौके पर जांच (जैसा आवश्यक समझा गया) समेत लागत संबंधी जाँच की गई थी।

(xii) इस अधिसूचना में *** चिह्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना को दर्शाता है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा इन्हें गोपनीय ही माना गया है।

(xiii) इस जांच की अवधि 1 अप्रैल, 2003 से 31 मार्च, 2004 तक थी। क्षति संबंधी विश्लेषण में पिछले तीन वर्ष अर्थात् 2000-2001, 2001-02, 2002-03 और जांच अवधि शामिल थी।

(xiv) जांच शुरूआत संबंधी सूचना की प्रतियाँ व्यापक परिचालन के लिए फिक्की, सी आई आई, एसोचैम आदि को भी भेजी गई थीं।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु:

5. मूल जांच में विचाराधीन उत्पाद "स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद" नामक स्टेनलैस स्टील की कॉइल, शीटें और प्लेटें थीं जिसकी 600 मिमी. की चौड़ाई है तथा सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं चाहे उन्हें आगे प्रसंस्कृत किया गया हो अथवा नहीं (जिन्हें आगे संबद्ध वस्तु कहा गया है) संबद्ध वस्तुएं सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की पहली अनुसूची के अध्याय 72 के शीर्ष सं 7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 और 7219.90 के अंतर्गत आती हैं। तथापि यह वर्गीकरण मात्र सांकेतिक है और वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है। विचाराधीन उत्पाद के संबंध में कोई तर्क नहीं दिया गया है। अतः प्राधिकारी 600 मिमी. या इससे अधिक की चौड़ाई वाले स्टेनलैस स्टील के कॉल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों, सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं के चाहे प्रसंस्कृत हों अथवा नहीं, को विचाराधीन उत्पाद मानते हैं।

६. समाचर वस्तुः

मूल जांच में प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के सभी निर्यातित उत्पादों को समान उत्पाद माना था। समान वस्तु के मुद्दे पर कोई नया तर्क नहीं दिया गया है। निर्यातिकों, घरेलू उद्योग से प्राप्त सूचना के आधार पर प्राधिकारी का यह विचार है कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किया जा रहा उत्पाद विचाराधीन उत्पाद का वाणिज्यिक स्थानापन्न है और भौतिक और रासायनिक विशेषताओं कार्यों और प्रयोगों जैसी विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित ८०० मिमी. या इससे अधिक घौड़ाई वाले स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों के सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं को संबद्ध देशों से आयात किए जा रहे उत्पादों के समान उत्पाद माना है।

७. घरेलू उद्योग

7. मूल जांच के समय, भारत में संबद्ध वस्तु के दो प्रमुख उत्पादक अर्थात् मै० सेल सलेम संयंत्र और मै० जिन्दल स्ट्रिप्स लि�० हिसार (जो इसके बाद जिन्दल स्टेनलैस लि�० के नाम से जाने जाते हैं) थे। तथापि, मूल जांच में मै० जिन्दल स्ट्रिप्स लि�० घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि थे। इस समीक्षा जांच में भी मै० जिन्दल स्टेनलैस लि�० ने क्षति, उत्पादन लागत और अन्य तकों के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। प्राधिकारी ने संबंधित नियम २ (ख) के अर्थों के भीतर मै० जिन्दल स्टेनलैस लि�० को "घरेलू उद्योग" का प्रतिनिधि माना है।

८. समीक्षा की शुरुआत, प्राप्त उत्तर और दिए गए तर्क

8. समीक्षा जांच की शुरुआत संबंधी अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित द्वारा जवाब दिए गए हैं -

- (i) जिन्दल स्टेनलैस लि�० के जरिए घरेलू उद्योग
- (ii) मै० एक्रिनोक्स, रेन - निर्यातक
- (iii) मै० जै एफ ई रसील कार्पोरेशन, जापान - निर्यातक
- (iv) मै० ओटोकुम्पु स्टेनलैस स्टील, ओवाई, ओवाई (पूर्ववर्ती अवैरसा पोलेरिट ओवाईज ए बी पी), किनलैंड - निर्यातक

उपर्युक्त क्र०स० (ii), (iii) और (iv) में उल्लिखित निर्यातकों ने कुछ तर्क दिए हैं। तथापि, इनमें से किसी निर्यातक या किसी अन्य निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

९. मध्यावधि समीक्षा की आवश्यकता

(क) घरेलू उद्योग द्वारा उठाए गए मुद्दे:

- (i) इस मामले में मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत उचित नहीं थी क्योंकि कानूनी प्रावधानों की मूल अपेक्षाओं को पूरा नहीं किया गया था।
- (ii) निर्यातक ने मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत करने के लिए कतिपय आधार उपलब्ध कराए हैं; तथापि समीक्षा जांच को न्यायोचित ठहराने के लिए कोई मुद्दा नहीं उठाया गया है।
- (iii) यहाँ तक की निर्यातक ने यह दावा भी नहीं किया है कि परिवर्तित परिस्थिति समीक्षा को युक्तिसंगत ठहराने के लिए उनके पाटन मार्जिन में रथाई रूप से या अर्द्ध-रथाई रूप से परिवर्तन हुआ है।

(iv) किसी निर्यातक द्वारा बिना किसी साक्ष्य या आधार के किए गए सरल अप्रमाणिक कथन से घरेलू उद्योग का बोझ समाप्त नहीं हो सकता है।

प्रकटन विवरण के उत्तर में घरेलू उद्योग ने पुनः यह तर्क दिया है कि इस समीक्षा को शुरू करने के लिए कोई पर्याप्त न्यायोचित कारण नहीं था और इसके अलावा इस समीक्षा की मांग करते समय आवेदक द्वारा कोई सकारात्मक सूचना प्रस्तुत नहीं की गई थी।

(ख) मै 0 आटोकम्प्यु स्टेनलैस स्टील, ओवार्ड (पूर्ववर्ती अवेस्टा पोलरिट ओ वार्ड जे ए बी पी.), फिनलैंड द्वारा दिए गए तर्क

मध्यावधि समीक्षा कानूनन और तथ्यों के आधार पर आवश्यक है तथा इस संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध निराधार हैं। पाटनरोधी नियमादली के नियम 4(1) (ड.) के अनुसार पाटनरोधी शुल्क को लागू रखने की आवश्यकता की समीक्षा करना निर्दिष्ट प्राधिकारी का एक कर्तव्य है। इसलिए, इस बात पर विचार न करते हुए कि क्या किसी निर्यातक या आयातक ने मध्यावधि समीक्षा की मांग की है और उक्त पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों पर विचार न करते हुए, प्राधिकारी उप खण्ड (ड.) के अनुसार पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की आवश्यकता की जांच करेंगे। नियम 23 के खण्ड (1) का शुरूआती भाग इस बात को अनिवार्य बना देता है कि प्राधिकारी समय-समय पर पाटनरोधी शुल्क को लागू रखने की आवश्यकता की समीक्षा करेंगे। प्राधिकारी की शक्तियाँ काफी व्यापक हैं और ये किसी प्रतिबंध या सीमाओं द्वारा परिसीमित नहीं हैं। समीक्षा करने की शक्ति तीसरे पक्षकार किसी अन्य व्यक्ति द्वारा किए गए अनुरोध या किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा की गई शिकायत या अभ्यावेदन पर आधारित नहीं होती है। इन शक्तियों का प्रयोग खतः ही किया जा सकता है। यदि पाटनरोधी शुल्क की आवश्यकता न हो तो प्राधिकारी यह खतः जांच करेंगे कि क्या इसे जारी रखा जाए अर्थवा नहीं। इस प्रकार मध्यावधि समीक्षा की शुरूआत का आधार संबंधी तर्क सही नहीं है और इसलिए यह कि प्रक्रियाएं आवश्यक नहीं हैं, गलत है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी के पास इसे शुरू करने की शक्तियाँ हैं।

करार के अनुच्छेद 11.1 में पाटनरोधी शुल्क की अवधि और इसे जारी रखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। केवल इस बात से कि पाटनरोधी शुल्क एक विशिष्ट समयावधि के लिए लागू किए गए हैं, तथ्यतः यह अर्थ नहीं निकलता है कि यह संपूर्ण अवधि के लिए लागू रहेगा, क्योंकि इसे केवल पाटन जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है, को रोकने के लिए लगाया गया है।

वर्तमान मामले में मध्यावधि समीक्षा न्यायसंगत, वैध और तथ्यों और कानून के आधार पर सही है। प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की समीक्षा करने का अनुरोध किया जाता है और चूंकि घरेलू उद्योग अपने लिखित अनुरोधों में इसे जारी रखने की आवश्यकता को साबित नहीं कर पाया है इसलिए संबद्ध वस्तुओं पर से पाटनरोधी शुल्क को हटाया जाना चाहिए।

(ग) प्राधिकारी द्वारा जांच:

प्राधिकारी ने मध्यावधि समीक्षा की शुरूआत को सही ठहराने के संबंध में घरेलू उद्योग के विचारों की जांच की थी। आवेदक एक्रिनोक्स ने समीक्षा के लिए आवेदन में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नलिखित सूचना प्रस्तुत की थी कि:-

- (i) वैश्विक आधार पर, बाजार में व्याप्त परिस्थितियों में शुल्कों के लागू होने के बाद से काफी परिवर्तन हुआ है और चूँकि कोल्ड रोल्ड स्टेनलैस बाजार अधिक आपूर्ति से बदलकर कम आपूर्ति वाला हो गया है, इसलिए वैश्विक कीमतें उच्च स्तर पर स्थिर हो गई हैं जो निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा पहले निर्धारित क्षति रहित कीमत से काफी अधिक है।
- (ii) भारत को एक्रिनोक्स द्वारा किए गए निर्यातों का पहुँच मूल्य निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित न्यूनतम क्षति रहित कीमत से काफी अधिक है।
- (iii) एक्रिनोक्स के निर्यातों के कीमत मूल्यांकन से यह पता चला कि ये कीमतें लगातार बढ़ रहीं थीं और इसलिए एक्रिनोक्स के निर्यातों से भारतीय घरेलू उद्योग को क्षति का कोई खतरा नहीं है।

उपर्युक्त सूचना को अन्य बातों के साथ-साथ घरेलू उद्योग समेत सभी हितबद्ध पक्षकारों को आवेदन के अगोपनीय अंश में उपलब्ध कराया गया था। प्राधिकारी के विचार से आवेदक ने पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 11.2 के अनुसार सकारात्मक सूचना प्रस्तुत की थी और समीक्षा शुरू करने से पूर्व प्राधिकारी ने इसकी जांच की थी। नियम 23 के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क को लगाए रखने की आवश्यकता की समय-समय पर समीक्षा करेंगे और यदि वे उन्हें प्राप्त सूचना के आधार पर इस बात से संतुष्ट हैं कि ऐसे शुल्क को लगाए रखने का कोई औचित्य नहीं है तो वे केन्द्र सरकार से इसे वापस लेने की सिफारिश कर सकते हैं। इस प्रकार नियम 23 के अंतर्गत प्राधिकारी के लिए शुल्क को जारी रखने के बारे में निष्कर्ष तक पहुँचना अपेक्षित है और यदि यह पाया जाता है कि शुल्क को जारी रखने का कोई औचित्य नहीं है तो प्राधिकारी को इसे वापस लिए जाने की सिफारिश करनी होगी। इस निष्कर्ष पर समीक्षा करने के बाद पहुँचा जाए सकता है। प्राधिकारी के विचार से यह समीक्षा आवेदक द्वारा प्रस्तुत सकारात्मक सूचना के आधार पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 23 के अनुसार शुरू की गयी है।

च. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए दावों की जांच

10. जांच शुरूआत संबंधी सूचना संबद्ध देशों के दूतावासों, भारत में ई सी के शिष्टमंडल, ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और घरेलू उद्योग को भेजी गई थीं। संबद्ध देशों से किसी भी निर्यातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ।

11. ई यू के लिए सामान्य मूल्य

मध्यावधि समीक्षा की शुरूआत के उत्तर में, ई यू के किसी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। मै0 एक्रिनोस स्टेनलैस स्टील के विभिन्न ग्रेडों के निर्यातों और मै0 जिन्दल स्टेनलैस स्टील लि0 द्वारा उत्पादित ग्रेडों के बारे में सामान्य टिप्पणियाँ की गई हैं। मै0 ओटोकुम्पु स्टेनलैस स्टील, ओ वाई (पूर्ववर्ती अवेस्टा पॉलरिट ओवार्वाइजे ए बी पी) फिनलैंड ने समीक्षा की आवश्यकता के संबंध में टिप्पणियाँ प्रस्तुत की हैं तथापि उन्होंने भी प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। ई यू से किसी अन्य निर्यातक ने कोई उत्तर नहीं दिया है।

घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक सुनवाई के बाद लिखित अनुरोधों, सामान्य मूल्य के अनुमान के संबंध में सूचना प्रस्तुत की है। सामान्य मूल्य के अपने दावे के समर्थन में, उन्होंने व्यापार पत्रिका के स्टेनलैस स्टील रियू प्रर विश्वास किया है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में स्टेनलैस स्टील की भिन्न-भिन्न किरमों/ग्रेडों की

सौदेबाजी सौदा कीमतों के संबंध में आंकड़े प्रकाशित किए जाते हैं। सामान्य मूल्य का अनुमान अप्रैल, 2003 से मार्च, 2004 तक के महीनों के लिए स्टेनलैस स्टील रिव्यू में ई यू में कोल्ड रोल्ड कॉइल के प्रकाशित कीमत की औसत पर आधारित है। निर्यातकों से प्रश्नावली के किसी उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ई यू के निर्यातकों को असहयोगी मानते हैं और अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित नियमों 6(8) और पाटनरोधी करार के अनुबंध ॥ के अनुसार उपलब्ध तथ्यों पर विश्वास करने के लिए बाध्य हैं। घरेलू उद्योग ने इस आधार पर औसतन 6.8 मिमी. वाली सी आर कॉइल की मोटाई के कारण 190 अम.डा. पी एम टी के समायोजन की मांग की है कि स्टेनलैस स्टील रिव्यू में बताई गई कीमत 2 मिमी. मोटाई के लिए है। प्राधिकारी यह पाते हैं कि डी जी सी आई एण्ड एस के आंकड़ों में दी गयी निर्यात कीमत सभी सौदों के संबंध में निर्यातित संबद्ध वस्तु की मोटाई को इंगित नहीं करती है। जहाँ भी संबद्ध वस्तु की मोटाई की ओर इंगित किया गया है, यह अलग-अलग मोटाई की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्रियों के बारे में आंकड़े प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। मोटाई के कारण निर्यात कीमत में तथा घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्रियों में समान समयोजनों के अभाव में घरेलू उद्योग का यह अनुरोध कि अनुमानित सामान्य मूल्य में 190 अम.डा. पी एम टी जोड़ा जाए, न्यायसंगत नहीं प्रतीत होता है। प्राधिकारी अप्रैल, 2003-मार्च, 2004 की अवधि के लिए स्टील रिव्यू में यथा प्रकाशित स्टेनलैस स्टील की सी आर कॉइलों की औसत कीमत और घरेलू उद्योग द्वारा उनके 11.2.2005 के लिखित अनुरोधों में दावा की गयी कीमत के आधार पर ई यू के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते हैं।

12. जापान के लिए सामान्य मूल्य

मध्यावधि समीक्षा के प्रारंभ होने के प्रत्युत्तर में मै0 जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन, जापान ने क्षति के संबंध में कुछेक सामान्य टिप्पणियाँ की हैं परंतु सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है। जापान के किसी भी निर्यातक ने कोई सूचना नहीं दी है।

घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात लिखित निवेदनों में सामान्य मूल्य के आकलन के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। सामान्य मूल्य के अपने दावे के समर्थन में उन्होंने व्यापार पत्रिका स्टेनलैस स्टील समीक्षा पर विश्वास किया है जिसमें विभिन्न देशों में स्टेनलैस स्टील के विभिन्न प्रकारों/ग्रेडों की सहभत सौदा कीमतों से संबंधित आंकड़े प्रकाशित किए जाते हैं। अप्रैल, 2003 से मार्च, 2004 तक के महीनों के लिए स्टेनलैस स्टील समीक्षा में जापान में कोल्ड रोल्ड कॉइल की सूचित कीमत के औसत के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन किया गया है। निर्यातकों की ओर से किसी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने जापान के निर्यातकों को असहयोगी माना है तथा अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित नियमावली 6(8) तथा पाटनरोधी करार के अनुबंध-॥ के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का ही इस्तेमाल किया है। घरेलू उद्योग ने इस आधार पर कि स्टेनलैस स्टील समीक्षा में सूचित कीमत 2 मि.मी. चौड़ाई के लिए है, औसत चौड़ाई 0.8 मि.मी. मानते हुए 190 अमरीकी डॉलर प्रति मी0 टन के समायोजन की मांग की है। प्राधिकारी पाते हैं कि डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में सूचित निर्यात कीमत से सभी प्रकार के सौदों के संबंध में निर्यातित संबद्ध वस्तु की चौड़ाई का कोई संकेत नहीं मिलता है। जहाँ भी संबद्ध वस्तु की चौड़ाई का संकेत मिलता है, वहाँ चौड़ाई अलग-अलग पाई गई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्री के संबंध में, घरेलू उद्योग ने उत्पाद की चौड़ाई के संबंध में बिक्री से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। चौड़ाई के संबंध में निर्यात कीमत के साथ-साथ घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में इसी प्रकार के समायोजन के अभाव में, अनुमानित सामान्य मूल्य में 190 अम0 डॉ0 प्रति मी0 टन जोड़े जाने का घरेलू उद्योग का अनुरोध तर्क संगत नहीं पाया गया है। प्राधिकारी ने अप्रैल 2003- मार्च,2004 की अवधि हेतु स्टील समीक्षा में सूचित तथा 11/2/2005 के अपने लिखित निवेदन में घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई सीआर कॉइल्स के स्टेनलैस स्टील की औसत कीमत के आधार पर जापान के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव किया है।

13. अमरीका के लिए सामान्य मूल्य

मध्यावधि समीक्षा के प्रारंभ होने के प्रत्युत्तर में अमरीका के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है।

घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात लिखित, निवेदनों में सामान्य मूल्य के आकलन के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। सामान्य मूल्य के अपने दावे के समर्थन में उन्होंने व्यापार पत्रिका स्टेनलेस स्टील समीक्षा पर विश्वास किया है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील के विभिन्न प्रकारों/ग्रेडों की सहमत सौदा कीमतों से संबंधित आंकड़े प्रकाशित किए जाते हैं। अप्रैल, 2003 से मार्च, 2004 तक के महीनों के लिए स्टेनलेस स्टील समीक्षा में अमरीका में कॉल्ड रोल्ड कॉइल की सूचित कीमत के औसत के आधार पर सामान्य मूल्य का आकलन किया गया है। निर्यातकों की ओर से किसी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने अमरीका के निर्यातकों को असहयोगी माना है तथा अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित नियमावली 6(8) तथा पाटनरोधी करार के अनुबंध-॥ के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का ही इस्तेमाल किया है। घरेलू उद्योग ने इस आधार पर कि स्टेनलेस स्टील समीक्षा में सूचित कीमत 2 मि.मी. चौड़ाई के लिए है, औसत चौड़ाई 0.8 मि.मी. मानते हुए 190 अमरीकी डॉलर प्रति मी0 टन के समायोजन की मांग की है। प्राधिकारी पाते हैं कि डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों में सूचित निर्यात कीमत से सभी प्रकार के सौदों के संबंध में निर्यातित संबद्ध वस्तु की चौड़ाई का कोई संकेत नहीं मिलता है। जहाँ भी संबद्ध वस्तु की चौड़ाई का संकेत मिलता है, वहाँ चौड़ाई अलग-अलग पाई गई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्री के संबंध में, घरेलू उद्योग ने उत्पाद की चौड़ाई के संबंध में बिक्री से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। चौड़ाई के संबंध में निर्यात कीमत के साथ-साथ घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में इसी प्रकार के समायोजन के अभाव में, अनुमानित सामान्य मूल्य में 190 अम0 डॉ0 प्रति मी0 टन जोड़े जाने का घरेलू उद्योग का अनुरोध तर्क संगत नहीं पाया गया है। प्राधिकारी ने अप्रैल 2003- मार्च, 2004 की अवधि हेतु स्टील समीक्षा में सूचित तथा 11/2/2005 के अपने लिखित निवेदन में घरेलू उद्योग द्वारा दावा की गई सीआर कॉइल्स के स्टेनलेस स्टील की औसत कीमत के आधार पर अमरीका के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने का प्रस्ताव किया है।

अमरीका से निर्यातों के संबंध में, प्राधिकारी पाते हैं कि उन सौदों में जहाँ आंकड़ों में शृंखला अथवा ग्रेडवार सूचना उपलब्ध थी, डीजीसीआईएस के सौदेवार आंकड़ों में 304 ग्रेड की आयात कीमत असामान्य रूप से कम थी। अतः प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए अमरीका से आयात के संकलित डीजीसीआईएस आंकड़ों पर विश्वास किया है। इसी प्रकार, सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद हेतु भारित औसत कीमत पर विचार करने का प्रस्ताव किया है।

14. कनाडा के लिए सामान्य मूल्य

मध्यावधि समीक्षा के प्रारंभ होने के प्रत्युत्तर में कनाडा के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली के संबंध में कोई सूचना नहीं दी है। निर्यातकों की ओर से किसी प्रत्युत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने कनाडा के निर्यातकों को असहयोगी माना है तथा अनुच्छेद 6.8 के साथ पठित नियमावली 6(8) तथा पाटनरोधी करार के अनुबंध-॥ के अनुसार उपलब्ध तथ्यों का ही इस्तेमाल किया है।

घरेलू उद्योग ने सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात निवेदनों में सामान्य मूल्य के आकलन के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। सामान्य मूल्य के अपने दावे के समर्थन में उन्होंने व्यापार पत्रिका स्टेनलेस स्टील समीक्षा पर विश्वास किया है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में स्टेनलेस स्टील के विभिन्न प्रकारों/ग्रेडों की सहमत सौदा कीमतों से संबंधित आंकड़े प्रकाशित किए जाते हैं। तथापि, पत्रिका में कनाडा के लिए सौदा कीमतों

का अलग से उल्लेख नहीं किया गया है। प्राधिकारी ने कोल्ड रोल्ड कॉइल्स की अमरीका में प्रचलित कीमत को, कनाडा में भी लागू करने का प्रस्ताव किया है। घरेलू उद्योग ने इस आधार पर कि स्टेनलेस स्टील समीक्षा में सूचित कीमत 2 मि.मी.चौड़ाई के लिए है, औसतन चौड़ाई 0.8 मि.मी. मानते हुए 190 अम0डॉ0 प्रति मी. टन के समायोजन की मांग की है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बिक्री के संबंध में घरेलू उद्योग ने उत्पाद की चौड़ाई के संबंध में बिक्री से संबंधित आंकड़े उपलब्ध नहीं कराए हैं। चौड़ाई के संबंध में निर्यात कीमत के साथ-साथ घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में इसी प्रकार के समायोजन के अभाव में अनुमानित सामान्य मूल्य में 190 अम0 डॉ0 प्रति मी0 टन जोड़े जाने का घरेलू उद्योग का अनुरोध तर्कसंगत नहीं पाया गया है।

अतः सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

	304 ग्रेड डॉलर प्रति मी. टन	316 ग्रेड डॉलर प्रति मी. टन	430 ग्रेड डॉलर प्रति मी. टन
ईयू	2031	2839	1361
जापान	1811	2536	1207
कनाडा	1907		
अमरीका (संकलित)	2143		

15. निर्यात कीमत

किसी भी निर्यातक ने निर्यातों की मात्रा और कीमत के संबंध में प्रश्नावली का उत्तर अथवा सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। प्रकटन विवरणों के उत्तर में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि डीजीसीआईएस के आंकड़ों में अमरीका के निर्यात आंकड़ों संबंधी विसंगति सहित अनेक विसंगतियां हैं; इसे प्राधिकारी द्वारा भी स्वीकार किया गया है। अतः निर्यातकों के असहयोग के कारण, प्राधिकारी को डीजीसीआईएस आंकड़ों के अनुसार निम्न निर्यात कीमत पर विचार करना चाहिए था। मै0 जेएफई स्टील कॉर्पोरेशन, जापान ने प्रकटन विवरण के प्रत्युत्तर में तर्क दिए हैं कि:

- आयात आंकड़ों को ग्रेडवार प्रस्तुत नहीं किया गया है;
- निर्यात किए गए प्रत्येक ग्रेड के लिए निर्यात कीमत अलग-अलग नहीं दर्शाई गई है;
- जापान हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए किए गए समायोजनों के बारे में कोई सूचना नहीं दी गई है;
- पाटन मार्जिन का ग्रेडवार परिकलन नहीं किया गया है।

डीजीसीआई एंड एस ने संबद्ध देशों से संबद्ध वर्तुओं के आयातों से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। संबद्ध वर्तुओं के समान प्रकारों/ग्रेडों की उचित ढंग से तुलना करने के मद्देनजर निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए डीजीसीआई एंड एस के सौदावार आयात आंकड़ों पर विश्वास किया गया है। अलग-अलग आयात सौदों में संबद्ध वर्तुओं के ग्रेडों को नहीं दर्शाया गया है। सामान्य मूल्य तथा ग्रेडवार अथवा श्रृंखलावार निर्यात कीमत के विषय में सूचना उपलब्ध कराने के संबंध में, जापान के निर्यातकों सहित निर्यातकों की ओर से सहयोग के अभाव में प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है। इस

मध्यावधि समीक्षा की शुरुआत एक निर्यातक के आग्रह पर की गई है। सार्वजनिक सुनवाई के पश्चात घरेलू उद्योग ने अपने निवेदनों में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के आकलन के संबंध में सूचना उपलब्ध कराई है। यदि निर्यातकों ने घरेलू उद्योग के दावे को अनुचित पाया होता तो वे श्रृंखला/ ग्रेडवार सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के संबंध में सूचना उपलब्ध कराकर प्राधिकारी को सहायता प्रदान कर सकते थे। सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के इस्तेमाल के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-॥ के पैरा 7 के संदर्भ में, यह स्पष्ट है कि यदि कोई हितबद्ध पक्षकार सहयोग नहीं करता है और इसक परिणामस्वरूप प्राधिकारी को संगत सूचना प्राप्त नहीं होती है, तो ऐसी परिस्थिति में पक्षकार के लिए परिणाम उस स्थिति की तुलना में कम अनुकूल हो सकते हैं यदि उन्होंने सहयोग किया होता। अतः प्राधिकारी, जापानी निर्यातक की ओर से दिए गए तर्क में कोई सार नहीं पाते हैं। अतः निर्यात कीमत का निर्धारण संबद्ध वस्तुओं के ग्रेड दर्शाने वाले सौदों के आधार पर किया गया है। प्राधिकारी द्वारा समुद्री भाड़े, बीमा, पत्तन प्रभार तथा अंतर्देशीय भाड़े हेतु उचित समझी गई सीमा तक निर्यात कीमत के माध्यम से समायोजन किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा कमीशन के संबंध में किए गए दावे हेतु समायोजन की अनुमति नहीं दी गई क्योंकि उसके समर्थन में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं था।

अमरीका से निर्यातों के संबंध में, प्राधिकारी पाते हैं कि उन सौदों में जहां आंकड़ों में श्रृंखला अथवा ग्रेडवार सूचना उपलब्ध थी, डीजीसीआईएस के सौदेवार आंकड़ों में 304 ग्रेड की आयात कीमत असामान्य रूप से कम थी। अतः प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए अमरीका से आयात के संकलित डीजीसीआईएस आंकड़ों पर विश्वास किया है। समुद्री भाड़े, बीमा, सीमाशुल्क प्रभार तथा अंतर्देशीय भाड़े के संबंध में प्राधिकारी द्वारा उचित समझी गई सीमा तक निर्यात कीमत के माध्यम से समायोजन किया गया है।

16. पाटन मार्जिन

प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के अनुसार सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण को शासित करने वाले सिद्धांतों का अनुपालन किया है। पाटन मार्जिन का निर्धारण प्रत्येक श्रृंखला के भीतर सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना करते हुए उस सीमा तक किया गया है जहां तक ग्रेडवार आंकड़े उपलब्ध थे। ग्रेड-वार पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के पश्चात, प्रत्येक श्रृंखला के लिए एक भारित औसत पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया और उसके बाद अमरीका के मामले को छोड़कर, जहां संबद्ध वस्तुओं के लिए समग्र आधार पर निर्धारित सामान्य मूल्य की तुलना संबद्ध वस्तु के सभी आयात की भारित औसत निर्यात कीमत के साथ की गई थी, विचाराधीन उत्पाद के लिए एक पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया। तुलना व्यापार के समान स्तर अर्थात्, कारखाना द्वारा स्तर पर की गई है। उपर्युक्तानुसार प्रस्तावित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत के निर्धारण के अनुसार, प्राधिकारी निम्नलिखित पाटन मार्जिन (%) को लागू करने का प्रस्ताव करते हैं :-

ईयू	19.90%
जापान	64.49%
अमरीका	130.93%
कनाडा	150.90%

छ. घरेलू उद्योग को क्षति

17. घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्कः

(क) कोल्ड रोल्ड डिवीजन में बनने वाले 600 मि.मी. एवं उसके अधिक के कोल्ड रोल्ड स्टेनलेस स्टील फ्लैट उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क लगाया गया था। अक्टूबर, 2002 में शुल्क लागू करने के पश्चात पिछले वर्षों की तुलना में घाटों में कमी हुई है परंतु अब भी कोल्ड रोल्ड प्रचालनों को भारी घाटे का सामना करना पड़ रहा है। यूकि पाटनरोधी शुल्क केवल विचाराधीन उत्पाद से संबद्ध है इसलिए कम्पनी के लिए समग्र रूप से लाभप्रदता के आंकड़ों को समीक्षा प्रारंभ करने के लिए आधार नहीं माना जा सकता। याचिकाकर्त्ता ने 31/3/2003 की अवधि तक के लिए आंकड़े उपलब्ध कराए थे, जिनकी जांच की जानी चाहिए, तथापि जांच की अवधि अप्रैल, 2003 से मार्च, 2004 तक निर्धारित की गई है।

(ख) यह उल्लेख किया गया है कि निर्यातक की निर्यात कीमतें, घरेलू उद्योग की निवाल आयात कीमत से अधिक हैं। इस आधार पर किसी समीक्षा की शुरूआत नहीं की जा सकती। यदि निर्यातक को लगता है कि किसी विशेष अवधि के लिए उनका पाटन मार्जिन, मूल जांच अवधि के दौरान निर्धारित पाटन मार्जिन से कम रहा है तो वह सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9कक के तहत शुल्क वापसी की मांग कर सकता है।

(ग) घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन संबद्ध देशों से आयातों के संदर्भ में किया जाना है न कि किसी विशिष्ट निर्यातक के संबंध में।

(घ) पाटनरोधी शुल्क लागू करने के पश्चात भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग की स्थिति में वास्तव में सुधार आया है। तथापि विभिन्न क्षति मानकों के विश्लेषण से यह प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग अब भी घाटे में है और पूर्व में हुए पाटन से पूरी तरफ उबर नहीं पाया है।

इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने विभिन्न क्षति कारकों के संबंध में निम्नलिखित विश्लेषण उपलब्ध कराया है:-

(क) कुल आयात, कुल मांग तथा उत्पादन के प्रतिशत के रूप में संबद्ध देशों से आयात जांच अवधि के दौरान क्रमशः 53.28% 19.40% तथा 39.86% रहे हैं।

(ख) जांच अवधि के दौरान बिक्री मात्रा तथा प्रति मी. टन बिक्री मूल्य में वृद्धि हुई है। तथापि, कीमतों में वृद्धि कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के अनुरूप नहीं है।

(ग) जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग का घाटा पूर्ववर्ती वर्ष 2001-2002 की तुलना में कम हुआ है। तथापि यह नोट किया जा सकता है कि घरेलू उद्योग को अभी भी घाटा हो रहा है।

(घ) उत्पादन तथा क्षमता उपयोग में पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

(ङ.) घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में पिछले वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान वृद्धि हुई है तथापि, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में वृद्धि पूर्ववर्ती वर्ष 2003-04 की तुलना में जांच अवधि के दौरान 17% रही है जबकि इसी अवधि में मांग में वृद्धि 27% रही है। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि बाजार में वृद्धि पर सीधे तौर पर संबद्ध देशों से पारित आयातों द्वारा कब्जा कर लिया गया है।

(च) घरेलू उद्योग द्वारा लगाए गए कामगारों की संख्या पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है ।

(छ) प्रति कर्मचारी उत्पादकता में जांच अवधि के दौरान सुधार आया है ।

(ज) लगाई गई पूंजी पर आय जांच अवधि के दौरान 15% (सूची) के साथ नकारात्मक है ।

(झ) नकद प्रवाह भी जांच अवधि के दौरान ऋणात्मक है ।

(ञ) जैसा कि ऊपर स्पष्ट किया गया है घरेलू उद्योग की वृद्धि बाजार हिस्से में वृद्धि के अनुरूप नहीं है ।

(ट) कीमत कटौती के संदर्भ में, इस मामले में शुल्क निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित संदर्भ कीमत के आधार पर लगाया गया है । इसलिए कीमत कटौती सम्बन्धी कोई विश्लेषण अर्थपरक नहीं होगा । यह भी नोट किया जा सकता है कि प्रत्येक संबद्ध देशों से पहुँच मूल्य अभी भी संदर्भ कीमत से नीचे बने हुए हैं ।

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यद्यपि अक्टूबर, 2002 में अंतिम शुल्क के लगाए जाने के पश्चात जांच अवधि (2003-04) में वित्तीय परिणामों में कोई सुधार नहीं हुआ तथापि घरेलू उद्योग अभी भी घाटा वहन कर रहा है क्योंकि पाटन अभी भी एक या दूसरे रूप में जारी है । प्रकटन विवरण के प्रत्युत्तर में घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि यदि शुल्क को जारी नहीं रखा जाता एवं प्राधिकारी को इस बात से संतुष्ट होना है कि घरेलू उद्योग को पाटन व क्षति की कोई संभावना नहीं है तो प्राधिकारी के लिए पाटन अथवा क्षति के जारी रहने अथवा इसकी आवृत्ति के संभावित प्रभाव की जांच करना आवश्यक है । घरेलू उद्योग अभी भी घाटा उठा रहा है तथा पूर्ववर्ती पाटन से पूरी तरह उबर नहीं पाया है । पाटनरोधी शुल्क का जारी रहना घरेलू उद्योग के हित में है । पाटन मार्जिन के उच्चतर स्तर यह भी प्रदर्शित करते हैं कि निर्यातक शुल्क लगाये जाने के बाद भी संबद्ध वस्तु का पाटन करना जारी रखे हुए है । इसके अलावा मध्यावधि समीक्षा में कीमत कटौती तथा कम कीमत पर बिक्री का निर्धारण उस स्थिति में अप्रासंगिक हो जाता है जहां पाटनरोधी शुल्क संदर्भ कीमत के आधार पर लगाया गया है क्योंकि निर्यातक संदर्भ कीमत के लगभग बराबर कीमत पर निर्यात करने की कोशिश करेगा । घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क भी दिया गया है कि ईयू से 8079 मी. टन के निर्यात में से लगभग 22% घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम कीमत पर बिक रहा है । ये आयात काफी अधिक है तथा घरेलू बिक्री कीमत पर प्रतिकूल प्रभाव डालने में पर्याप्त माने जाने चाहिए ।

18. मै0 जेएफई स्टील कार्पोरेशन, जापान के अनुरोध

(i) जांच अवधि और पिछले वर्ष की इसी अवधि के बाद से चीन जन.गण. में इस्पात की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है । इसके परिणामस्वरूप वैश्विक इस्पात बाजार पर काफी प्रभाव पड़ा । ध्वारहित इस्पात की 304 श्रृंखला ही नहीं वरन् 430 श्रृंखला की कीमतों में वृद्धि हो रही है ।

(ii) इस्पात के उत्पादों की वैश्विक मांग में पर्याप्त वृद्धि हुई हैं तथा विश्व भर के इस्पात विनिर्माताओं ने अपनी उत्पादन क्षमता का पूरा उपयोग किया है ।

(iii) मांग में तीव्र वृद्धि से इस्पात के उत्पादों के साथ-साथ इस्पात हेतु सामग्री की कीमतों में वृद्धि हुई है ।

(iv) कीमतों तथा खपत के तरीके में परिवर्तन आने के पश्चात अनेक देशों ने इस्पात पर आयात प्रतिबंधों की समाप्ति, आयात शुल्क में कमी तथा इस्पात निर्यातों पर प्रतिबंध जैसे उपाय लागू किए हैं ।

(v) जापानी बाजार में लौह, क्रोमियम, मालीब्डेनम जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण जापानी इस्पात विनिर्माताओं को उत्पादों को उच्चतर कीमतों पर बेचने के लिए बाध्य होना पड़ा है। घरेलू प्रयोक्ताओं को बिक्री करते रहने तथा मुनाफा कमाने के लिए विनिर्माताओं ने मांग के बड़े हिस्से की घरेलू प्रयोक्ताओं को आपूर्ति की है। इसलिए निर्यातों के लिए भारत के उत्पादों सहित उपलब्ध क्षमता वर्तमान में तथा भविष्य में अत्यधिक सीमित है। ये दशाएं मौजूदा समय में जारी रहने की संभावना हैं।

(vi) घरेलू उद्योग की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना के विश्लेषण के आधार पर उद्योग, उत्पादन, बिक्री, लाभ, उत्पादन तथा बाजार हिस्सा, निवेश पर आय, क्षमता उपयोग, रोजगार तथा मजदूरी एवं पूँजी उगाहने की क्षमता जैसे मापदण्ड सकारात्मक प्रभाव दर्शाते हैं। मै0 जिन्दल स्टेनलैस लि�0 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार कोल्ड रोलिंग इकाई में कोल्ड रोलिंग, तापानुशीतन तथा पिकलिंग लाइन्स तथा परिष्करण सुविधाएं शामिल हैं। रिपोर्ट में अन्य बातों के साथ-साथ यह उल्लेख है कि कम्पनी अपने संयंत्र, इसके उपस्करों तथा प्रक्रियाओं के प्रौद्योगिक उन्नयन के जरिए अपनी उत्पादकता को लगातार सुधारने में समर्थ है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कम्पनी ने वर्ष के दौरान 2600 करोड़ रुपए से अधिक के कारोबार के साथ 10% से अधिक बिक्री वृद्धि दर्ज की है। लाभ में 82% की प्रभावकारी वृद्धि दर्ज की गई है। वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को जापान से किए गए किन्हीं निर्यातों के आधार पर कोई क्षति नहीं हुई है।

(vii) घरेलू उद्योग के कोल्ड रोलिंग यूनिट में लाभ तथा मात्रा के रूप में वृद्धि में बढ़ोत्तरी हुई है जो यह प्रदर्शित करती है कि पूँजी की कोई कमी नहीं थी।

(viii) घरेलू उद्योग द्वारा योजित विस्तार-परियोजनाओं से यह पुष्टि हुई है कि उनका धब्बाराहित इस्पात का कारोबार अच्छी तरह चल रहा है तथा घनात्मक वृद्धि दर्शा रहा है तथा इसलिए यह सिद्ध होता है कि निकट भविष्य में कथित पाटित आयातों से किसी दृष्टिगोचर खतरे का कोई संकेत नहीं हो सकता।

(ix) घरेलू उद्योग की अपनी स्वीकारोक्ति के अनुसार, यह पर्याप्ततः स्पष्ट है कि उनके कारोबार में पिछले तीन वर्षों में काफी वृद्धि हुई है तथा बाजार के वैश्विक अग्रगण्यों के मुकाबले अभी भी प्रतिस्पर्धी है। इसलिए पाटनरोधी शुल्क हटाया जा सकता है।

(x) जेएफई द्वारा भारत को निर्यात किए जा रहे ग्रेडों से आटोमोबाइल क्षेत्र को पूर्ति की जा रही है जिसमें वृद्धि की संभावना है।

(xi) वित्तीय वर्ष 2003-04 के लिए जिन्दल स्टेनलैस लि�0 के निष्पादन की मुख्य-मुख्य बातों से कारोबार, ईबीआई-डीटीए, नकद लाभ, पीबीटी तथा निवल लाभ में प्रभावकारी वृद्धि प्रदर्शित होती है।

(xii) धूंकि सम्बद्ध वस्तुएं विशेषकर उनके द्वारा निर्यातित ग्रेड कैटालिटिक कन्चर्टर्स के विनिर्माण में प्रयुक्त किए जाते हैं इसलिए प्राधिकारी इस बात की सराहना कर सकते हैं कि पर्यावरणविद् विनिर्मित वाहनों से उत्सर्जन के कारण उत्पन्न प्रदूषण को कम करने की ओर सतत रूप से कार्य कर रहे हैं।

प्रकटन विवरण के प्रत्युत्तर में जेएफई ने तर्क दिया है कि प्राधिकारी द्वारा विश्लेषित सभी प्रासंगिक कारक यह दर्शाते हैं कि उद्योग की वसूली में वृद्धि हो रही है। जापान से ग्रेड 400 की कीमत कटौती की कोई विश्वसनीय व्याख्या नहीं हुई है जिसके परिणामस्वरूप सकारात्मक क्षति निर्धारण हुआ है। कारणात्मक संबंध का इस निष्कर्ष पर पहुँचने के लिए कोई विश्लेषण नहीं किया गया है कि संबद्ध आयात कथित क्षति के कारण हैं। जेएफई के अनुसार घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति तीसरे देशों से आयातों के कारण हुई है। क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए अपनाई गई विधि को प्रकट किया जा सकता है।

19. मैरो आउटोक्रम्स स्टेनलैस स्टील, ओवार्ड (पूर्ववर्ती अवेरस्टा पोलारिट ओइज एक्सीपी), फिनलैण्ड के अनुरोध:-

प्राधिकारी कथित क्षति तथा कारणात्मक संबंध, यदि कोई हों की इस संबंध में किसी निर्णय किए जाने के पहले जांच कर सकता है। यह मानते हुए भी कि संबद्ध वस्तुओं का पाटन हो रहा है (भले ही अभी यह निर्धारित नहीं हुआ है), पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जा सकता यदि यह प्रदर्शित न हो कि घरेलू उद्योग को क्षति हुई है तथा यह कि कथित पाटन के कारण क्षति हुई है। प्रकटन ब्यौरों के प्रत्युत्तर में आगे यह तर्क दिया गया है कि क्षति विश्लेषण अपूर्ण है तथा नियमावली के अनुरूप नहीं है। प्राधिकारी द्वारा सभी प्रस्तुत किए गए ग्रेडों के लिए क्षति निर्धारण नहीं किया जाना चाहिए। प्राधिकारी द्वारा आकलित मापदण्ड घरेलू उद्योग को कोई वास्तविक क्षति नहीं दर्शाते हैं। कोई कारणात्मक संबंध स्थापित नहीं हुआ है। संबद्ध वस्तु पर से पाटनरोधी शुल्क हटाया जाना चाहिए।

20. क्षति संबंधी मापदण्डों का विश्लेषण

प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के समान वस्तु 'अर्थात स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लेट उत्पादों, 600 किमी. या अधिक चौड़ाई के, सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं के चाहे आगे प्रसंस्कृत हों अथवा नहीं' के संबंध में समेकित आधार पर घरेलू उद्योग के क्षति संबंधी विभिन्न मापदण्डों का विश्लेषण किया है। यह नियम 11(2) की अपेक्षाओं के अनुरूप है। जब भी कीमत तुलनात्मकता प्रभावित होती, प्राधिकारी श्रृंखला अथवा ग्रेडवार तुलना का प्रयास करते हैं। तथापि, निर्यातकों ने श्रृंखला वार निर्यात मात्रा तथा कीमतों के संबंध में सूचना उपलब्ध न कराकर सहयोग नहीं किया है इसलिए प्राधिकारी को उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर आश्रित होना पड़ा। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के विभिन्न क्षति संबंधी मापदण्डों के संबंध में क्षति संबंधी सूचना का निम्नासार विश्लेषण किया है :-

21. पाटित आयातों की मात्रा

डीजीसीआई एंड एस आंकड़ों के अनुसार संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा निम्नासार है :-

विवरण/आयात मी. टन	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
सम्बद्ध देश				
यूरोपीय संघ	13285	19433	10776	14984
कनाडा	1463	1791	697	673
जापान	2530	2663	4014	2723
यूएसए	5207	3898	2599	3724
सम्बद्ध देश योग	22485	27785	18086	22105
अन्य देश	7718	13147	13158	19382
कुल आयात	30204	40931	31244	41487
कुल आयातों के % के रूप में सम्बद्ध देशों से आयात	74.45%	67.88%	57.89%	53.28%
यूरोपीय संघ	43.99%	47.48%	34.49%	36.12%
कनाडा	4.84%	4.37%	2.23%	1.62%

जापान	8.38%	6.51%	12.85%	6.56%
यूएसए	17.24%	9.52%	8.32%	8.98%
घरेलू उत्पादन के % के रूप में सम्बद्ध देशों से आयात	67.49%	95.52%	35.78%	39.86%
यूरोपीय संघ	39.87%	66.80%	21.32%	27.02%
कनाडा	4.39%	6.16%	1.38%	1.21%
जापान	7.59%	9.16%	7.94%	4.91%
यूएसए	15.63%	13.40%	5.14%	6.72%
घरेलू उत्पादन के % के रूप में अन्य देशों से आयात	23.17%	45.19%	26.03%	34.95%
कुल मांग के % के रूप में सम्बद्ध देशों आयात	33.77%	30.87%	18.48%	19.40%
यूरोपीय संघ	19.95%	21.59%	11.01%	13.15%
कनाडा	2.20%	1.99%	0.71%	0.59%
जापान	3.80%	2.96%	4.10%	2.39%
यूएसए	7.82%	4.33%	2.66%	3.27%
कुल मांग के % के रूप में अन्य देशों आयात	11.59%	14.60%	13.45%	17.01%

प्राधिकारी ने यह पाया कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयात से गिरावट अथवा वृद्धि की कोई प्रभावी प्रवृत्ति प्रदर्शित नहीं होती, क्योंकि वर्ष 2000-2001 के दौरान आयात 22485 मी. टन रहे थे तथा वर्ष 2003-04 (जांच अवधि) के दौरान ये 22105 मी. टन रहे थे। तथापि, सम्बद्ध वस्तु का कुल आयात 30204 मी. टन से 41487 मी. टन तक बढ़ा। कुल आयातों में सम्बद्ध देशों से आयातों के हिस्से में वर्ष 2000-2001 में 74.45% से जांच अवधि के दौरान 53.28% तक गिरावट आई। घरेलू उत्पादन के एक भाग के रूप में संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में जांच अवधि के दौरान 67.49% से 39.86% तक की गिरावट आई।

22. कीमत प्रभाव

कीमत कटौती

प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच की। कीमत कटौती की जांच करते समय प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तुओं के लिए घरेलू उद्योग की बिक्री वसूली को ध्यान में रखा तथा इसकी संबद्ध देशों से आयातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना की। कीमत कटौती निम्नानसार पाई गई :

	ई यू	कनाडा	जापान	यू.एस.ए
मूल्य रु0/मी.टन	300	400	300	400
पहुँच मूल्य	114187	83845.29	52055.88	64968.52
एन.एस.आर	***	***	***	***
कीमत कटौती	***	***	***	***
कीमत कटौती %	(-) 6-16	(-) 40-50	45-55	-
			35-45	(-) 5-15
			65-75	-

चूँकि निर्यातकों के असहयोग के कारण संबद्ध वस्तुओं की विभिन्न श्रृंखलाओं के आयात संबंधी उपलब्ध आंकड़े पूर्ण नहीं थे, इसलिए प्राधिकारी ने सभी श्रृंखलाओं/ग्रेडों के लिए घरेलू उद्योग की भारित औसत विक्री वसूली की संबद्ध देशों से हुए कुल पाटित आयातों के पहुँच मूल्य के साथ तुलना करके समग्र आधार पर कीमत कटौती की भी जांच की और कीमत कटौती को निम्नानुसार पाया:

	ई यू	कनाडा	जापान	यू.एस.ए
पहुँच मूल्य	109857	86301	7209	65579
एन एस आर	***	***	***	***
कीमत कटौती	***	***	***	***
कीमत कटौती %	(-) 25-35	(-) 0-10	15-25	20-30

प्राधिकारी ने पाया कि ई यू से आयातों के संबंध में नकारात्मक कीमत कटौती हुई थी और कनाडा से आयातों से बहुत कम नकारात्मक कीमत कटौती हुई थी। तथापि, जापान और अमरीका से आयातों से कीमत कटौती हुई थी।

23. घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग:

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन और क्षमता उपयोग को निम्नानुसार पाया:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
क्षमता	मी.टन	30000	90000	90000	90000
उत्पादन	मी.टन	33318	29089	50543	55453
क्षमता उपयोग	%	111	32.32	56.16	61.61

प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन क्षमता को 30000 मी.टन से बढ़ाकर 90000 मी.टन प्रति वर्ष कर लिया है जो बहुत अधिक है। घरेलू उद्योग के उत्पादन में सुधार प्रदर्शित हुआ है और यह वर्ष 2000-01 के दौरान 33318 मी.टन से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 55453 मी.टन हो गया। क्षमता उपयोग में भी सुधार प्रदर्शित हुआ और इसमें 90000 की बढ़ी हुई क्षमता की तुलना में जांच अवधि के दौरान 61.61 प्रतिशत तक वृद्धि हुई।

24. विक्रियां, मांग और बाजार हिस्सा:

विवरण	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
कुल मांग (मी.टन)	66590	90019	97862	113951
घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	54.64%	54.53%	68.07%	63.59%
कुल मांग के % के रूप में संबद्ध देशों से आयात	33.77%	30.87%	18.48%	19.40%
यूरोपीय संघ	19.95%	21.59%	11.01%	13.15%
कनाडा	2.20%	1.99%	0.71%	0.59%
जापान	3.80%	2.96%	4.10%	2.39%
अमरीका	7.82%	4.33%	2.66%	3.27%
कुल मांग के % के रूप में अन्य देशों से आयात	11.59%	14.60%	13.45%	17.01%

प्राधिकारी ने पाया कि मै0 जिन्दल स्टेनलेस की बिक्रियां आधार वर्ष के संदर्भ में 18586 मी.टन से बढ़कर 41464 मी.टन हो गयी थी। कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 54.64 प्रतिशत से बढ़कर 63.59 प्रतिशत हो गया। कुल मांग में संबद्ध देशों से पाटित आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 33.77 प्रतिशत से घटकर 19.4 प्रतिशत हो गया। कुल मांग में अन्य देशों से आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 11.59 % से बढ़कर 17.01 प्रतिशत हो गया।

25. लाभप्रदता:

जांच अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है:-

	200 श्रृंखला	300 श्रृंखला	400 श्रृंखला	कुल
उत्पादन लागत प्रति मी.टन	***	***	***	***
एन एस आर-पी एम टी	***	***	***	***
घाटा प्रति मी.टन	(-) ***	(-) ***	(-) ***	(-) ***

क्षति अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता को निम्नानुसार पाया गया है:-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
बिक्रियां	सूचीबद्ध	100	137	204	247
बिक्री लागत	सूचीबद्ध	100	166	236	250
लाभ/हानि	सूचीबद्ध	(-)100	(-)485	(-)591	(-)289

प्राधिकारी ने पाया कि संबद्ध वस्तुओं की बिक्री में घरेलू उद्योग का घाटा जांच अवधि के दौरान कम हो गया था लेकिन घरेलू उद्योग को जांच अवधि के दौरान घाटा होना जारी रहा।

26. रोजगार:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
कर्मचारी	सूचीबद्ध	100	104	120	120

उपर्युक्त विश्लेषण से यह प्रदर्शित हुआ कि उद्योग में कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि हुई थी। यह मुख्यतः कंपनी की कार्यक्षमता और उत्पादन में बढ़ोत्तरी के कारण हुआ था।

27. उत्पादकता:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सूचीबद्ध	100	84	127	139

प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार हुआ था क्योंकि घरेलू उद्योग के उत्पादन में अस्थायिक वृद्धि हुई जबकि कर्मचारियों की संख्या में इतनी अधिक वृद्धि नहीं हुई थी।

28. निवेश पर आय:

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
लगाई गई पूँजी पर आय	सूचीबद्ध	100	(-)317.60	(-)540.38	(-)57.63

प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग को लगाई गई पूँजी पर जांच अवधि और पूर्ववर्ती दो वर्षों के दौरान नकारात्मक आय हुई थी। तथापि, कुछ सुधार हुआ था क्योंकि घाटा कम हो गया था।

29. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारकः

प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और उत्पादन लागत में वृद्धि की जांच की। बिक्री कीमतों पर पाटित आयातों द्वारा प्रभाव पड़ा था। तथापि, बिक्री वसूली में जांच अवधि के दौरान सुधार आया।

30. पाटन मार्जिन की मात्रा:

यह पाया गया था कि ई यू से निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन 19.9 प्रतिशत था। पाटन मार्जिन जापान के लिए 64.49 प्रतिशत, अमरीका के लिए 130.93 प्रतिशत और कनाडा के लिए 150.90 प्रतिशत था। ई यू के लिए पाटन मार्जिन को छोड़कर पाटन मार्जिन को बहुत अधिक पाया गया था।

31. नकदी प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभावः

ब्याज पूर्व लाभ/हानि को निम्नानुसार पाया गया था:-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
लाभ/हानि	सूचीबद्ध	(-)100	(-) 485	(-) 591	(-) 289
अतिरिक्त लाभ	सूचीबद्ध	100	235.77	231.62	205.80
कुल	सूचीबद्ध	100	(-) 757.74	(-) 1204.50	(-) 126.48

नकदी प्रवाह निम्नानुसार था:-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
नकदी प्रवाह (लाभ/घाटा+ मूल्यहास)	सूचीबद्ध	(-)100	(-) 942	(-) 1154	(-) 376

प्राधिकारी ने नोट किया कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की नकदी प्रवाह की स्थिति में पूर्ववर्ती दो वर्षों की तुलना में कुछ सुधार हुआ था, लेकिन नकदी प्रवाह नकारात्मक था।

32. मालसूचियां

प्राधिकारी ने समग्र मात्रा में घरेलू उद्योग की संबद्ध वस्तुओं के अंतिम स्टाक के साथ-साथ वार्षिक उत्पादन के अनुपात में अंतिम स्टाक का निम्नानुसार विश्लेषण किया:-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
अंतिम स्टॉक	सूचीबद्ध	100	33	34	36
उत्पादन के % के रूप में अंतिम स्टॉक	सूचीबद्ध	(100)	(38)	(22)	(21)

प्राधिकारी ने पाया कि उत्पादन बढ़ने के बावजूद घरेलू उद्योग की माल सूची अधिक बिक्रियों के कारण अत्यधिक कम हो गई थीं। इससे कार्य निष्पादन में अत्यधिक सुधार प्रदर्शित हुआ।

33. वृद्धि:

प्राधिकारी ने वर्ष-दर्शक आधार पर घरेलू उद्योग की बिक्रियों, मांग एवं बाजार हिस्से जैसे मापदण्डों के संबंध में घरेलू उद्योग के विकास का विश्लेषण किया जो निम्नानुसार है:-

विवरण	इकाई	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
बिक्री मात्रा में वृद्धि	%	--	34.91	35.71	8.78
कुल मांग में वृद्धि	%	--	35.18	8.71	26.59
घरेलू उद्योग में वृद्धि	%	--	(-) 0.2	24.84	16.62

बिक्री, मांग तथा मांग में घरेलू उद्योग के हिस्से के रूप में वृद्धि से बेहतर निष्पादन प्रदर्शित होता है।

34. पूँजी उगाहने अथवा निवेश की क्षमता:

घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान बेहतर निष्पादन दर्शाया है हालांकि जांच अवधि के दौरान लगाई गई भूंजी पर आय ऋणात्मक थी। घरेलू उत्पादक एच आर कॉयल्स का भी उत्पादन करते हैं जिससे कंपनी की समग्र लाभप्रदता में थोगदान मिलता है। कंपनी नए निवेश प्राप्त करने में सक्षम है।

35. क्षति का समग्र आकलन:

प्राधिकारी ने पाया कि उत्पादन, बिक्री, बाजार हिस्सा एवं उत्पादकता जैसे मापदण्डों से जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा बेहतर निष्पादन प्रदर्शित होता है। 90,000 मी.टन की वर्धित उत्पादन क्षमता के विपरीत घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान 61.61 प्रतिशत का क्षमता उपयोग प्राप्त किया है जो काफी महत्वपूर्ण है। बढ़े हुए उत्पादन की स्थिति में माल-सूची में गिरावट आई है। आयातों से संबंधित उपलब्ध आंकड़ों से विभिन्न मात्रा में संबद्ध देशों से पाटन का पता चलता है। संबद्ध देशों से निर्यातों का पाटन 19.90 प्रतिशत से 150.90 प्रतिशत के बीच पाटन मार्जिन पर पाया गया था। कुल मांग में संबद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा वर्ष 2000-01 के दौरान के 33.77 प्रतिशत से गिरकर जांच अवधि में 19.4 प्रतिशत तक हो गया। कुल मांग में घरेलू उद्योग का हिस्सा 54.64 प्रतिशत से बढ़कर 63.51 प्रतिशत तक हो गया है। इस से हुए निर्यातों के कारण उद्योग की घरेलू बिक्री में कोई कीमत कटौती नहीं हुई है। यद्यपि कनाडा, जापान और अमरीका से हुए पाटित आयातों के मामले में कीमत कटौती हुई थी। नकदी प्रवाह में सुधार हुआ है। इस से हुए आयातों से कोई कम कीमत पर बिक्री नहीं हुई है। संबद्ध उत्पाद की बिक्री में हुई हानि में गिरावट आई है। ये प्रवृत्तियाँ दर्शाती हैं कि घरेलू उद्योग लाभ की दिशा में बढ़ रहा है। उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बेहतर बाजार हिस्सा, उच्च उत्पादकता और वृद्धि जैसे मापदण्डों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा सुधरे हुए निष्पादन का श्रेय भी वर्ष 2002 में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क और विश्वभर में इस्पात उद्योग की स्थिति में सामान्य सुधार को दिया जा सकता है। घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु की बिक्री से हानि होती रही, यद्यपि घाटे में पर्याप्त रूप से कमी आई। इस प्रकार घरेलू उद्योग को लगातार वास्तविक क्षति होती रही।

36. पाटन और क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना:

उपर्युक्त मूल्यांकन के अनुसार प्राधिकारी पाते हैं कि संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि हो रही है। वर्ष 2000-01 की तुलना में जांच अवधि के दौरान मांग में 71 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। मांग में वृद्धि को देखते हुए घरेलू उद्योग ने उत्पादन क्षमता बढ़ा दी है। 90,000 मी.टन की वर्धित उत्पादन क्षमता के विपरीत घरेलू उद्योग ने जांच अवधि के दौरान 61.61 प्रतिशत का क्षमता उपयोग प्राप्त किया है जो काफी महत्वपूर्ण है। कुल मांग में उनके हिस्से में भी 54.64 प्रतिशत से 63.51 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। ये प्रवृत्तियाँ दर्शाती हैं कि घरेलू उद्योग लाभ की दिशा में बढ़ रहा है। तथापि आयातों से संबंधित उपलब्ध आंकड़ों से विभिन्न मात्रा में संबद्ध देशों से पाटन का पता चलता है। उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री, बेहतर बाजार हिस्सा, उच्च उत्पादकता और वृद्धि जैसे मापदण्डों के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा सुधरे हुए निष्पादन का श्रेय भी वर्ष 2002 में लगाए गए पाटनरोधी शुल्क और विश्वभर में इस्पात उद्योग की स्थिति में सामान्य सुधार को दिया जा सकता है। घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तु की बिक्री से हानि होती रही, यद्यपि घाटे में पर्याप्त रूप से कमी आई। मौजूदा क्षति संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है। पाटित आयातों की भारी मात्रा के कारण उद्योग उच्चतर क्षमता उपयोग नहीं प्राप्त कर सका। उत्पाद की मांग में लगातार वृद्धि होती रही है और इस प्रकार मांग में कमी के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो सकती है। घरेलू उद्योग की उत्पादकता में सुधार आया है और उसे क्षति का कारण नहीं माना जा सकता। घरेलू उद्योग को घाटा संबद्ध वस्तु की घरेलू बिक्रियों में पाया गया है जो निर्यातों के कारण नहीं हो सकता। यद्यपि प्राधिकारी का विचार है कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग के लाभ और बेहतर निष्पादन में मदद मिली है। संबद्ध वस्तु का पाटन जारी है। पाटनरोधी शुल्क को हटा लेने से भारी पाटन को बढ़ावा मिलेगा और घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति हो सकती है। अतः प्राधिकारी पाटनरोधी शुल्क वापस न लेने को उपर्युक्त मानते हैं। प्राधिकारी द्वारा अपनाए जा रहे कम शुल्क नियम के अनुसार प्राधिकारी पाटन के मार्जिन अथवा क्षति के मार्जिन, जो भी कम हो, के समान पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं। प्राधिकारी ने पाया कि ई यू से आयातों के संबंध में क्षति मार्जिन नकारात्मक है चूंकि पाटित आयातों का पहुँच मूल्य आयातों के सकल स्तर और उपलब्ध सीमा तक श्रृंखला-वार आंकड़ों दोनों के आधार पर की गई तुलनाओं में संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की क्षति-रहित कीमत से अधिक है। जहाँ तक ई यू से आयातों के क्षति रहित कीमत से कम पर होने के बारे में घरेलू उद्योग के तर्क का संबंध है प्राधिकारी ने उक्त कथन को सही नहीं पाया है क्योंकि क्षति विश्लेषण के अनुसार ई यू से कुल आयात 14984 टन के हुए थे न कि 8079 मी.टन के, जैसा कि घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है। घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए तर्क के अनुसार एन आई पी से कम पर बेचे जाने की आरोपित मात्रा 1786 मी.टन का हिस्सा 11.9 प्रतिशत है न कि 22 प्रतिशत। इसे सही मानते हुए भी प्राधिकारी ने इसे काफी नहीं माना है। इसके अलावा, प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति को बढ़ावा हुआ पाया है। कनाडा से आयातों के संबंध में भी प्राधिकारी ने यह पाया है कि कनाडा से आयातों के बारे में क्षति मार्जिन नकारात्मक है क्योंकि आयातों के समग्र स्तर पर की गयी तुलना के अनुसार पाटित आयातों का पहुँच मूल्य संबद्ध वस्तु के लिए घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से अधिक है। जहाँ तक घरेलू उद्योग के इस तर्क का संबंध है कि संदर्भ कीमत आधार पर मौजूदा शुल्कों के कारण इस समीक्षा जांच में कम कीमत पर बिक्री संबंधी मूल्यांकन की कोई प्रासंगिकता नहीं है, प्राधिकारी का यह मत है कि प्राधिकारी प्रत्येक समीक्षा जांच में क्षति रहित कीमत का अनिवार्यतः निर्धारण करता है। इसके अलावा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु उसी निर्यात कीमत का प्रयोग किया गया है। अतः निर्यात कीमत प्रासंगिक है और कीमत कटौती एवं कम कीमत पर बिक्री का विश्लेषण भी प्रासंगिक है। अतः प्राधिकारी का यह मत है कि चूंकि ई यू एवं कनाडा से संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश नहीं की जा सकती है। इसलिए प्राधिकारी अमरीका और जापान से आयातों के संबंध में इस समीक्षा के अनुसरण में पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करते हैं।

ज. निष्कर्षः

37. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुँचते हैं कि समीक्षा जांच में :

(i) भारत को संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का निर्यात उनके सामान्य मूल्य से कम पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप पाटन हुआ है।

(ii) घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति होना जारी है।

(iii) लगातार पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को क्षति की पुनरावृत्ति की संभावना के कारण पाटनरोधी शुल्क लगाये रखना जारी रखा जा सकता है।

(iv) ई यू और कनाडा से आयातों के संबद्ध में नकारात्मक क्षति मार्जिन के कारण ई यू पर पाटनरोधी शुल्क हटाया जा सकता है और अमरीका और जापान के संबंध में पाटनरोधी शुल्क को लागू रखा जा सकता है।

38. अतः प्राधिकारी नियम 23 के अनुसार अमरीका और जापान के मूल के अथवा वहां से निर्यातित (सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की प्रथम अनुसूची के अध्याय 72 के शीर्ष सं. 7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 और 7219.90 के अंतर्गत 'शामिल) सभी ग्रेडों/श्रृंखलाओं के 600 मि.मी. अथवा अधिक चौड़ाई वाले स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों, चाहे वे प्रसंस्कृत हों अथवा नहीं, के आयातों पर लगाए गए पाटनरोधी शुल्क को जारी रखने की सिफारिश करते हैं। पाटन मार्जिन के बराबर अथवा उससे कम पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने का निर्णय किया गया है जिसे यदि लगाया जाता है तो उससे घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त हो जाएगी। आयातों की पहुँच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित घरेलू उद्योग की नुकसान रहित कीमत से भी की गयी थी। इस अधिसूचना के अंतर्गत संस्तुत पाटनरोधी शुल्क केन्द्र सरकार द्वारा इस बारे में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से लगाया जाना है। मूल जांच में पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश संदर्भ कीमत के आधार पर की गयी थी। प्राधिकारी ने नोट किया है कि हाल के दिनों में संबद्ध वस्तु की कीमतें उच्च रत्त पर रही हैं। अतः प्राधिकारी इस समीक्षा के अनुसरण में नियत पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश को उचित समझते हैं। पाटनरोधी शुल्क निम्नलिखित तालिका के कालम 9 में उल्लिखित राशि अमरीकी डालर/मी.टन में होगा:

क्र.सं.	उप-शीर्ष	माल का विवरण	विनिर्देशन	उद्गम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and 7219.90	स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद, 600 मि.मी. अथवा	सभी ग्रेड/श्रृंखला	यू एस ए	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	445.69	मी.टन	यू एस डालर

		अधिक चौड़ाई के, चाहे और प्रसंस्कृत किए गए हों अथवा नहीं								
2.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and 7219.90	स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद, 600 मिमी अथवा अधिक चौड़ाई के, चाहे और प्रसंस्कृत किए गए हों अथवा नहीं	सभी ग्रेड/ श्रृंखला	कोई देश	यू ए	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	445.69	मी.टन	यू एस डालर
3.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and 7219.90	स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद, 600 मिमी अथवा अधिक चौड़ाई के, चाहे और प्रसंस्कृत किए गए हों अथवा नहीं	सभी ग्रेड/ श्रृंखला	जापान	कोई देश	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	305.00	मी.टन	यू एस डालर
4.	7219.31 7219.32 7219.33	स्टेनलैस स्टील के	सभी ग्रेड/	कोई देश	जापान	कोई उत्पादक	कोई निर्यातक	305.00	मी.टन	यू एस

	7219 34 7219 35 and 7219 90	कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पाद, 600 मिमी अथवा अधिक चौड़ाई के, चाहे और प्रसंस्कृत किए गए हों अथवा नहीं	श्रृंखला								डालर
--	--------------------------------------	---	----------	--	--	--	--	--	--	--	------

39. इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 के अधीन यथा निर्धारित आकलन योग्य मूल्य होगा और उसमें सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3 क, 8 ख, 9 तथा 9 क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सभी प्रकार के शुल्क शामिल होंगे ।

40. इस आदेश के विरुद्ध कोई अपील सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष की जाएगी ।

क्रिस्टी एल. फेर्नांडेज, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 13th September, 2005

Final Findings

Subject : Mid-term Review of anti-dumping duty imposed on imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel from EU, Japan, Canada and USA

F. No. 15/16/2004-DGAD.—Whereas the Designated Authority, having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 (hereinafter also referred to as Rules) vide Notification No.24/1/2001-DGAD dated 19th October, 2002 issued its Final Findings recommending definitive anti dumping duty in the anti dumping investigation concerning imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel from EU, Japan, Canada and USA (hereinafter referred to as subject countries). Definitive anti dumping duty was imposed vide Customs Notification No.134/2002-Customs dated 5th December, 2002.

2. And whereas, the Designated Authority(hereinafter also referred to as Authority), received a written application from M/s Acerinox S.A., Spain, for review of anti dumping duty imposed on imports of subject goods due to changed circumstances with regard to

injury. The request for the review, which contained positive information, was fully supported by the European Commission (EC). Mid-term Review of anti dumping duty imposed on imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or exported from EU, Japan, Canada and USA into India was initiated by the Designated Authority vide Notification No.15/16/2004-DGAD dated 14th September, 2004 as per Rule 23 to determine whether the continued imposition of anti dumping duty is required to off-set dumping, and whether injury would be likely to continue or recur if the duty were removed or varied or both.

A. The Original Investigation

3. The original investigation concerning imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not of all grades/series from subject countries was initiated on 21st August, 2001, the preliminary findings were issued by the Designated Authority on 29.11.2001 and provisional duty was imposed vide Customs Notification dated 28.12.2001. The final findings were issued on 19.10.2002 and definitive anti dumping duty was imposed vide Customs Notification No.134/2002-Customs dated 5th December, 2002.

B. PROCEDURE:

4. The procedure described below has been followed with regard to this investigation:-

(i) The Authority issued a Public Notice dated 14th September, 2004 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Mid-term Review of anti dumping duty imposed on imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not of all grades/series originating in or exported from EU, Japan, Canada and USA into India covered under Heading No.7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 and 7219.90 of Chapter 72 of the First Schedule of the Customs Tariff Act. The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, known importers, the domestic industry, the Embassies of subject countries in India, the Delegation of EC in India and gave them an opportunity to make their views known in writing;

(ii) According to sub-rule (3) of Rule 6 supra, the Authority provided a copy of the application to the following known exporters and Embassies of subject countries in India and according to sub-rule (4) of Rule 6 supra, the Authority also sent a questionnaire to the following known exporters to give information within forty days from the date of initiation of this review:

1. M/s. Acerinox S.A.
Santiago De Compostela, 100
28035 Madrid,
Spain.
2. M/s ALZ Nv
Swinnenwijerweg 5,
Industriegebied Genk-Zuid,
Zone 6a,
B-3600 Genk/Belgium
Belgium –European Union

3. M/s Outokumpu Oyj,
Riihitontuntie 7 D, PO Box 27,
FIN-02201
Espoo, Finland
4. M/s Ugine (Division Of Usinar)
Immeuble Pacific,
13 Cours Valmy, 92070 La Defense 7Cedex,
France-European Union
5. M/s Nippon Metal Industry Co. Ltd.,
Shinjuku Mitsui Building, 2-1-1,
Nishi-Shinjuku-Ku
Tokyo 163-0470
Japan
6. M/s. JFE Steel Corporation,
2-2-3 Uchisaiwaicho,
Chiyoda-ku,
Tokyo 100-0011,
Japan.
7. M/s Atlas Specialty Steels,
One Centre Street, Welland,
Ont L3b5r7,
Canada
8. M/s J&L Specialty Steel, Inc.,
P.O.Box 3373,
Pittsburg, Pa 15230-3373
U.S.A.
9. Shri A.K.Steel Corporation,
703 Curtis,
Middletown, Oh 45043
U.S.A.
10. M/s Allegheny Ludlum,
An Allegheny Technologies Company,
1000 Six Ppg 15222-5479
U.S.A.
11. M/s. North American Stainless,
6870 Highway 42 East;
Ghent, Ky 41045
U.S.A.
12. M/s. R.M. CREATIONS, INC,
303, 5th Avenue, Suite 1707,
New York, N.Y. 100016

(iii) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) and Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods;

(iv) The Embassy of the subject countries and the Delegation of EC in India was informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, application and questionnaire sent to the exporters was also sent to them;

(v) A questionnaire was sent to the following known importers/users/industry's associations of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4);

1. Ratna Guru Stainless,
Mumbai-400 004
2. Alfa Laval (I) Ltd.,
Pune – 411012
- 3 Bhandari Foils Pvt. Ltd.,
Dewas (MP)-455001
- 4 Ratnamani Metals & Tubes Ltd.,
Ahmedabad – 380013
- 5 Salem Stainless Steel Suppliers,
Chennai – 600003
- 6 Suraj Stainless Road,
Ahmedabad – 380009
- 7 M/s. Sanghvi Steel Corporation,
Mumbai
- 8 M/s. Reliance Stainless Steel,
Mumbai
- 9 Metal & Stainless Steel,
Mumbai – 400 004
- 10 Arvin Exhaust India Pvt. Ltd,
Chennai 600 058
- 11 M. Patwari, Traders Pvt. Ltd.,
Mumbai 400 020
- 12 ACMA,
New-Delhi-110067

13 Maruti Udyog Limited,
New Delhi – 110 001

14 Hyundai Motor India Ltd.,
Tamilnadu – 602 105 India

15 Ford India Ltd.,
Tamilnadu

16 Toyota Kirloskar Motor,
Bangalore (Rural) Dist

17 Jay Bharat Maruti Ltd.,
Gurgaon-122015

(vii) The Authority provided an opportunity to the interested parties to present their views orally in a public hearing held on 18th January 2005. All parties presenting views were requested to file written submissions of their views expressed. The parties were advised to collect copies of the views expressed by the opposing parties and offer rebuttals, if any;

(viii) The Authority made available to all interested parties the public file containing non-confidential version of evidence submitted by various interested parties for inspection, upon request as per Rule 6(7);

(ix) Arguments made by the interested parties after initiation of the mid-term review investigation, subsequent to the public hearing and in response to the disclosures have been appropriately dealt with in these findings;

(x) In accordance with Rule 16 of the Rules supra, the essential facts/basis considered for these findings were disclosed to known interested parties on 24th August 2005 vide a disclosure statement and comments received on the same have also been duly considered in these findings;

(xi) Cost investigations including spot verification (as deemed necessary) of the domestic industry were also conducted to work out optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and the information furnished by the domestic industry;

(xii) *** in this notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules;

(xiii) The investigation covered the period from 1st April, 2003 to 31st March, 2004. The injury analysis covered the three preceding years 2000-2001, 2001-2002, 2002-2003 and the POI.

(xiv) Copies of the Initiation Notice were also sent to FICCI, CII, ASSOCHAM etc. for wider circulation.

C. Product under Consideration and Like Article:

5. Product under consideration :

The product under consideration in the original investigation was Stainless Steel Coils, Sheets and Plates of the description "Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not of all grades/series" (hereinafter also referred as subject goods). The subject goods are covered under Heading No.7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 and 7219.90 of Chapter 72 of the First Schedule of the Customs Tariff Act. These classifications, however, are indicative only and are in no way binding on the scope of the present investigation. There are no arguments as regards product under consideration. The Authority, therefore, holds the product under consideration as Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not of all grades/series.

6. Like Article :

In the original investigation, the authority had treated the Colled Rolled Flat products of Stainless Steel of all grades /series produced by the domestic industry as like article to the product exported from the subject countries. There are no fresh arguments on the issue of like article. Based on the information received from the exporters and the domestic industry, the Authority is of the view that the product being manufactured by the domestic industry is a commercial substitute of the product under consideration and is comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, functions and uses. The Authority has, therefore, treated the Colled Rolled Flat products of Stainless Steel of all grades /series of a width of 600mm or more manufactured by the domestic industry as like article to the subject goods being imported from subject countries.

D. Domestic Industry :

7. At the time of original investigation, there were two main producers of subject goods in India viz. M/s. SAIL Salem Plant and M/s Jindal Strips Ltd., Hissar (subsequently known as M/s Jindal Stainless Ltd.). However, M/s Jindal Strips Ltd. represented the domestic industry in the original investigation. In this review investigation also, M/s Jindal Stainless Ltd. have furnished information regarding injury, cost of production and other arguments. The Authority has treated M/s Jindal Stainless Ltd. to represent the 'Domestic Industry' within the meaning of Rule 2(b) supra

E. Initiation of the Review, Responses received and Arguments raised:

8. In response to the initiation, responses have been made by the following:

- (i) Domestic industry through M/s Jindal Stainless Ltd.
- (ii) M/s Acerinox, Spain – Exporter
- (iii) M/s JFE Steel Corporation, Japan-Exporter

(iv) M/s Outokumpu Stainless Steel, Oy (former Avesta Polarit Oyj Abp.), Finland-Exporter.

The exporters at Sl. No. (ii), (iii) and (iv) above made some arguments. However, none of these exporters or any other exporter furnished questionnaire response.

9. Maintainability of the Mid term Review:

a) Issues raised by the domestic industry :

- i. The initiation of Mid-term Review in this case was not appropriate, as the basic requirements of the provisions of the law were not satisfied.
- ii. The exporter has provided certain grounds for initiation of the Mid-term Review; however, no case has been made out to justify the review investigation.
- iii. Even the exporter has not claimed that their dumping margin have changed permanently or semi-permanently to justify the changed circumstances review.
- iv. Simple unsubstantiated assertions made by one exporter without any evidence or basis cannot lead to undue burden on the domestic industry.

In response to the disclosures statement, the domestic industry has again argued that there was no sufficient justification for initiation of this review and further there was no positive information furnished by the applicant while seeking this review.

b) Arguments made by M/s Outokumpu Stainless Steel, Oy (former Avesta Polarit Oyj Abp.), Finland

The mid-term review is maintainable in law and on facts and the submissions made in this behalf by the domestic industry is misconceived. As per Rule 4(1)(e) of the Anti Dumping Rules, it is one of the duties of the Designated Authority to review the need for continuance of anti dumping duty. Therefore, irrespective of the fact whether the exporters or importers seek a mid term review and irrespective of the data that may be furnished by the said parties, the authority shall in terms of sub-clause (e) review the need for continuance of anti dumping duty. The opening part of clause (1) of Rule 23 makes it mandatory that the authority shall from time to time review the need for continued imposition of anti dumping duty. The powers of the authority are very wide and are not circumscribed by any restrictions or limitations. The power to review is not contingent upon a request made by third party or any other person or on the basis of some complaint or representation by an interested party. The powers can be exercised *suo motu*. If the need for anti dumping duty does not exist the authority can *suo motu* enquire whether the same should be continued or not. As such, the submission that the basis for initiation of mid-term review is not proper and therefore, the proceedings are not maintainable is incorrect and the authority has powers under the rules to initiate the same.

Article 11.1 of the agreement throws light on the duration of anti dumping duty and its need for continuation. Merely because anti dumping duty has been imposed for a

particular period, does not ipso facto mean that it shall remain in force for the entire duration, as it is imposed only to counter act dumping that is causing injury to the domestic industry.

Mid-term Review in the present matter is legal, valid and justified on facts as well as in law. The authority is requested to review the continuance of anti dumping duty and since the domestic industry in its written submissions has not been able to establish the need for its continuance, remove the anti dumping duty on the subject goods.

c) Examination by the authority

The Authority examined the views of the domestic industry and other interested parties regarding the justification for the initiation of the mid term review. The applicant M/s Acerinox had furnished information in the application for review, inter-alia, that:

- i) On a global basis, market conditions have changed substantially since the duties were initially imposed, as cold rolled stainless markets have shifted from oversupply to shortage, global prices have stabilized at high levels, substantially above the non-injurious level initially determined by the Designated Authority.
- ii) The landed value of exports made by Acerinox to India is well above the minimum non-injurious price established by the Designated Authority.
- iii) The price evolution of Acerinox exports showed that these prices were steadily increasing and therefore the exports from Acerinox are not likely to cause injury to the Indian domestic producer.

The above information, inter-alia, was made available in the non-confidential version of the application to all the interested parties including the domestic industry. In the views of the Authority, the applicant had furnished positive information as per Article 11.2 of the Anti Dumping Agreement and the Authority had examined the information before initiating the review. Rule 23 does not prescribe any conditions for initiating the mid term review. As per Rule 23, the Designated Authority shall, from time to time, review the need for the continued imposition of the anti-dumping duty and shall, if it is satisfied on the basis of information received by it that there is no justification for the continued imposition of such duty recommend to the Central Government for its withdrawal. Thus under Rule 23, the Authority is required to reach to a conclusion regarding continued imposition of the duty and where it is found that there is no justification for the continued imposition of the duty, the Authority has to recommend for its withdrawal. The conclusion can be reached after initiation of the review. In the views of the authority the review has been initiated in accordance with the Rule 23 of Anti Dumping Rules on the basis of positive information furnished by the applicant.

F. EXAMINATION OF CLAIMS REGARDING NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN.

10. Copy of Initiation Notice was sent to the Embassies of subject countries, Delegation of EC in India, the known exporters, importers and domestic industry. There has been no Questionnaire response from any of the exporters from subject countries.

11. Normal value for EU

In response to the initiation of Mid-term Review, none of the exporters from EU has given information on the questionnaire. M/s Acerinox has given general comments regarding the exports of different grades of stainless steel and the grades produced by M/s Jindal Stainless Steel Ltd. M/s Outokumpu Stainless Steel, Oy (former Avesta Polarit Oyj Abp.), Finland has furnished comments regarding the maintainability of the review, however, they have also not furnished questionnaire response. No other exporter from EU has furnished any response.

The domestic industry furnished information regarding estimate of normal value in the written submissions subsequent to the public hearing. In support of their claim for normal value, they have relied on the trade journal Stainless Steel Review which publishes data on negotiated transaction prices of different types/grades of stainless steel in various regions. The estimate of normal value is based on the average of the reported price of cold rolled coil in EU in Stainless Steel Review for the months from April 2003 to March 2004. In the absence of any questionnaire response from the exporters, the Authority holds the exporters from EU as non-cooperative and is constrained to resort to facts available as per Rule 6(8) read with Article 6.8 and Annex II of the Anti Dumping Agreement. The domestic industry has also sought an adjustment of US\$ 190 PMT on account of thickness of CR Coil taking 0.8 mm as an average on the ground that the reported price in Stainless Steel Review is for 2 mm thickness. The authority found that the export price reported in the DGCI&S data does not give indication of the thickness of the exported subject goods in respect of all the transactions. Wherever the thickness of the subject goods is indicated, it is of varying thickness. The Authority also noted that in respect of domestic sales, the domestic industry had not furnished data regarding sales in terms of thickness of the product. In the absence of similar adjustment in the export price as well as in domestic sales of domestic industry on account of thickness, the request of the domestic industry to add \$ 190 PMT to the estimated normal value was not found to be justified. The Authority determined normal value for EU on the basis of the average price of Stainless Steel of CR Coils as reported in Steel Review for the period April 2003 – March 2004 and claimed by the domestic industry in their written submissions of 11.2.2005.

12. Normal value for Japan

In response to the initiation of Mid-term Review, M/s JFE Steel Corporation, Japan has given some general comments on injury but has not given questionnaire response to determine normal value. None of the other exporters from Japan have given any information.

The domestic industry furnished information regarding estimate of normal value in the written submissions subsequent to the public hearing. In support of their claim for normal value, they have relied on the trade journal Stainless Steel Review which publishes data on negotiated transaction prices of different types/grades of stainless steel in various regions. The estimate of normal value is based on the average of the reported price of cold rolled coil in Japan in Stainless Steel Review for the months between April 2003 to March 2004. In the absence of any response from the exporters, the Authority holds the exporters from Japan as non-cooperative and is constrained to resort to facts available as per Rule 6(8) read with Article 6.8 and Annex II of the Anti Dumping Agreement. The domestic industry has also sought an adjustment of US\$ 190 PMT on account of thickness of 0.8 mm as an average on the ground that the reported price in Stainless Steel Review is for 2 mm thickness. The authority finds that the export price reported in the DGCI&S data does not give indication of the thickness of the exported subject goods in respect of all the transactions. Wherever the thickness of the subject goods is indicated, it is of varying thickness. The Authority also noted that in respect of domestic sales, the domestic industry has not furnished data regarding sales in terms of thickness of the product. In the absence of similar adjustment in the export price as well as in domestic sales of domestic industry on account of thickness, the request of the domestic industry to add \$ 190 PMT to the estimated normal value was not found justified. The Authority determined normal value for Japan on the basis of the average price of Stainless Steel of CR Coils as reported in Steel Review for the period April 2003 – March 2004 and claimed by the domestic industry in their written submissions of 11.2.2005.

13. Normal value for USA

In response to the initiation of Mid-term Review, none of the exporters from USA has given information on the questionnaire.

The domestic industry furnished information regarding estimate of normal value in the written submissions subsequent to the public hearing. In support of their claim for normal value, they have relied on the trade journal Stainless Steel Review which publishes data on negotiated transaction prices of different types/grades of stainless steel in various regions. The estimate of normal value is based on the average of the reported price of cold rolled coil in USA in Stainless Steel Review for the months between April 2003 to March 2004. In the absence of any response from the exporters, the Authority holds the exporters from USA as non-cooperative and is constrained to resort to facts available as per Rule 6(8) read with Article 6.8 and Annex II of the Anti Dumping Agreement. The domestic industry has also sought an adjustment of US\$ 190 PMT on account of thickness of 0.8 mm as an average on the ground that the reported price in Stainless Steel Review is for 2 mm thickness. The authority finds that the export price reported in the DGCI&S data does not give indication of the thickness of the exported subject goods in respect of all the transactions. Wherever the thickness of the subject goods is indicated, it is of varying thickness. The Authority also noted that in respect of domestic sales, the domestic industry has not furnished data regarding sales in terms of thickness of the product. In the absence of similar adjustment in the export

price as well as in domestic sales of domestic industry on account of thickness, the request of the domestic industry to add \$ 190 PMT to the estimated normal value was not found as justified. The Authority determined normal value for USA on the basis of the average price of Stainless Steel of CR Coils as reported in Steel Review for the period April 2003 – March 2004 and claimed by the domestic industry in their written submissions of 11.2.2005.

In respect of exports from USA, the Authority found that the import price of 304 grade was abnormally low in the DGCIS transaction wise data for those transactions where series or grade information was available in the data. The Authority thus relied on the aggregate DGCIS data of imports from USA for determining the export price. Like-wise for normal value determination, the Authority adopted the weighted average price for the product under consideration.

14. Normal value for Canada

In response to the initiation of Mid-term Review, none of the exporters from Canada have given information on the questionnaire. In the absence of any response from the exporters, the Authority holds the exporters from Canada as non-cooperative and is constrained to resort to facts available as per Rule 6(8) read with Article 6.8 and Annex II of the Anti Dumping Agreement.

The domestic industry furnished information regarding estimate of normal value in the written submissions subsequent to the public hearing. In support of their claim for normal value, they relied on the trade journal Stainless Steel Review which publishes data on negotiated transaction prices of different types/grades of stainless steel in various regions. However, the transaction prices for Canada are not reported separately in the Journal. The authority has adopted the reported price of Cold Rolled Coils in USA for Canada also. The domestic industry has also sought an adjustment of US\$ 190 PMT on account of thickness of 0.8 mm as an average on the ground that the reported price in Stainless Steel Review is for 2 mm thickness. The authority found that the export price reported in the DGCIS data does not give indication of the thickness of the exported subject goods in respect of all the transactions. Wherever the thickness of the subject goods is indicated, it is of varying thickness. The Authority also noted that in respect of domestic sales, the domestic industry had not furnished data regarding sales in terms of thickness of the product. In the absence of similar adjustment in the export price as well as in domestic sales of domestic industry on account of thickness, the request of the domestic industry to add \$ 190 PMT to the estimated normal value was not found justified.

Normal value has thus been determined as under:

	304 Grade \$PMT	316 Grade \$PMT	430 Grade \$PMT
EU	2031	2839	1361
Japan	1811	2536	1207
Canada	1907		
USA (aggregate)	2143		

15. Export Price

None of the exporters had furnished questionnaire response or information regarding exports – quantity and price. In response to the Disclosures, the domestic industry has argued that DGCIS data had several anomalies, including the one noted about USA export data, which has been acknowledged by the Authority as well. Thus due to non-cooperation of exporters, the Authority should have taken the lower export price as per DGCIS data. M/s JFE Steel Corporation, Japan has argued in response to the disclosure that:

- i. Import data has not been presented grade -wise;
- ii. Export price has not been disclosed separately for each of the grades exported;
- iii. The adjustments carried out for determining the export price for Japan have not been informed;
- iv. Dumping margin has not been calculated grade wise.

DGCI&S provided data relating to imports of subject goods from subject countries. With a view to make proper comparison of the similar types / grades of subject goods, transaction-wise import data of DGCI&S has been relied to ascertain export price. All the individual import transactions did not indicate the grades of the subject goods. In the absence of cooperation from exporters, including those from Japan as regards furnishing information about normal value and export price grade or series wise, the Authority had to resort to best available information. This mid term review had been initiated at the request of one of the exporters. The domestic industry had given information about the estimate of normal value, export price and dumping margin in their submissions subsequent to the public hearing. The exporters could have assisted the Authority by providing information about series/grade-wise-normal value and export price, if they found the claim of the domestic industry unreasonable. In terms of para 7 of Annex II of Anti Dumping Agreement, regarding the use of best available information, it is clear that if an interested party does not cooperate and thus relevant information is withheld from the authority, this situation could lead to a result which is less favourable to the party than if the party had co-operated. The Authority therefore, does not find merit in the argument advanced on behalf of the Japanese exporter. Therefore, export price has been determined on the basis of those transactions showing grades of the subject goods. Adjustments have been made from the export price on account of ocean freight, insurance, custom charges and inland freight to the extent considered reasonable by the Authority. Adjustment on account of commission claimed by the domestic industry was not allowed as there was no supportive evidence.

However, in respect of exports from USA, the Authority found that the import price of 304 grade was abnormally low in the DGCIS transaction wise data for those transactions where series or grade information was available in the data. The Authority thus relied on the aggregate DGCIS data of imports from USA for determining the export price. Adjustments have been made from the export price on account of ocean freight, insurance, custom charges and inland freight to the extent considered reasonable by the Authority.

16. Dumping Margin :

The Authority followed the principles governing the determination of Normal Value, Export Price and Margin of Dumping as laid down in Annexure I to the anti-dumping rules. Dumping margins have been determined by comparing normal value and export price grade-wise within each series to the extent grade wise data was available. After determining grade-wise dumping margin, a weighted average dumping margin for each series was determined and thereafter one dumping margin for the product under consideration was determined except in the case of USA, where the normal value determined on an aggregate basis for the subject goods was compared with the weighted average export price of all import of subject goods. The comparison is at the same level of trade, i.e. Ex-factory level. Based on the Normal Value and export price determination as above, the Authority determined the following dumping margins (%):

EU	19.90%
Japan	64.49%
USA	130.93%
Canada	150.90%

G. INJURY TO THE DOMESTIC INDUSTRY

17. Arguments made by domestic industry :

- a) Anti-dumping duty were imposed on Cold Rolled Stainless Steel Flat products of 600 mm and above being manufactured in the Cold Rolled Division. After imposition of duty in October 2002, the losses have come down over previous years solely because of restrictions on dumped goods at lower prices but still the cold rolled operations continue to incur huge losses. The figures of profitability for the company as a whole cannot be a basis for initiation of review when anti dumping duty is relating to only the product under consideration. The applicant provided data for the period up to 31.3.2003, which ought to be examined whereas the POI has been fixed as April 2003 to March 2004.
- b) It has been mentioned that export prices of the exporter are above the NIP of the domestic industry. A review cannot be initiated on this ground. The exporter could seek a refund of duties under Section 9AA of the Customs Tariff Act if they felt that their dumping margin during a particular period has been less than the dumping margin ascertained during the original POI.
- c) Injury to the domestic industry has to be seen in the context of imports from subject countries and not in the context of a particular exporter.
- d) The domestic industry's situation in the Indian market with respect to subject goods has indeed improved with the imposition of anti dumping duties. However, the analysis of various injury parameters shows that the

domestic industry is still under the dark and has not fully recovered from the past dumping.

Further, the domestic industry has furnished the following analysis of various injury factors:

- (a) Imports from the subject countries as percentage of total imports, total demand and production are 53.28%, 19.40% and 39.86% respectively during the period of investigation.
- (b) Sales volume as well as the selling price per MT has increased during the period of investigation. However, the increase in price is not commensurate with the increase in the raw material prices.
- (c) Losses to the domestic industry during the period of investigation have come down as compared to previous years 2001-02 and 2002-03. However, it may be noted that the domestic industry is still incurring losses.
- (d) The production and capacity utilization have increased during the period of investigation as compared to previous years.
- (e) Market share of the domestic industry has increased during the period of investigation as compared to previous years. However, the increase in market share of the domestic industry is 17% during the period of investigation as compared to previous year 2003-04 whereas the growth in the demand over the same period is to the tune of 27%. It clearly shows that the growth in the market has been directly taken over by the dumped imports from the subject countries.
- (f) There is no adverse impact on the number of workers employed by the domestic industry.
- (g) Productivity per employee has improved during the period of investigation.
- (h) The return on capital employed is negative during the period of investigation at 15 % (Index).
- (i) Cash flow is also negative during the period of investigation.
- (j) As explained above the growth of the domestic industry is not in line with the growth in the market share.
- (k) With respect to price undercutting, the duties in the present case are imposed on the basis of reference price fixed by the Designated Authority. Hence the analysis of any price undercutting would not be meaningful. It

may also be noted that the landed values from each of the subject countries are still coming below the reference price.

It has been argued by the domestic industry that while there have been little improvements in financial results in POI (2003-04), after the imposition of final duty in October 2002, the domestic industry is still incurring losses as dumping is still continued in one form or other. The domestic industry has sought the continuation of the anti dumping duty imposed on imports of subject countries. In response to the Disclosure statement the domestic industry has argued that it is mandatory for the authority to examine the likely effect of the continuance or recurrence of dumping and injury if duties are discontinued and the authority has to be satisfied that there is no possibility of dumping and injury to the domestic industry. The domestic industry is still incurring losses and has not fully recovered from the past dumping. The continuation of anti-dumping duties would be in the interest of domestic industry. The higher levels of dumping margins also indicate that the exporters continue to dump the subject goods even after imposition of duties. Further the determination of price under-cutting and underselling in mid-term review investigation becomes irrelevant in a case where the anti-dumping duties have been imposed based on a reference price as the exporter will try to export at a price as close to the reference price. It has also been argued by the domestic industry that out of the exports of 8079 MT from EU, about 22% is underselling the domestic industry's non-injurious price. These imports are significant and should be considered sufficient enough to have adverse impact on the domestic selling price.

18. Submissions of M/s JFE Steel Corporation, Japan

- i. Since last year corresponding to the POI, there has been a sharp increase of steel demand in the People's Republic of China. As a consequence thereof, the world steel market has been significantly affected. The price of stainless steel of not only 304 series but also 430 is increasing.
- ii. World demand of steel products has considerably increased and the steel manufacturers all over the world have fully utilized their production capacity.
- iii. The sudden spurt in demand has caused the price increase of steel products as well as the materials for steel.
- iv. With the change in prices and consumption patterns, several countries have taken such measures as termination of import restrictions on steel, reduction of import duty and restriction on steel exports.
- v. In the Japanese market, due to increase in the raw material prices, such as Fe Cr, Molybdenum, the Japanese steel manufacturers have been forced to sell the products at higher prices. In order to maintain the sales to domestic user and realize the profit, manufacturers have made much of the supply to the domestic users. Therefore, the capacity available for exports including India of the product

is now and will be very limited. These conditions are likely to continue for the time being.

- vi. Based on the analysis of publicly available information of the domestic industry, parameters such as state of the industry, production, sales, profits, output and market share, return on investment, capacity utilization, employment and wages and ability to raise capital show positive impact. The annual report of M/s Jindal Stainless Ltd. shows that the cold rolling unit comprises of cold rolling, annealing and pickling lines and finishing facility. The report inter-alia states that the company has been able to continuously improve its productivity through technology up-gradation of its plant, its equipment and processes. The report also states that the company has recorded sales growth in excess of 10% with turnover during the year crossing Rs.2600 crores. The profits have also recorded an impressive growth of 82%. The annual report establishes that during the POI, the domestic industry has shown no signs of injury on account of any exports made from Japan.
- vii. There is increase in growth in terms of profit and volume in the Cold Rolling Unit of the domestic industry, which shows that there was no dearth of capital.
- viii. The expansion projects planned by the domestic industry proved that their business of stainless steel is fully on road to recovery and shows of positive growth and thus prove that there can be no sign of any visible threat from the alleged dumped imports in the near future.
- ix. As per domestic industry's own admission, it is amply clear that their business has improved drastically over the past three years and is currently competitive with other global leader across the market. Therefore, the anti dumping duty may be terminated.
- x. The grades being exported into India by JFE cater to the automobile sector which is poised to growth.
- xi. Key performance highlights of Jindal Stainless Ltd. for financial year 2003-04 show impressive growth in turnover, EBIDTA, cash profit, PBT and Net Profit.
- xii. As the subject goods specifically the grades exported by them are used in the manufacturing of catalytic converters, the authority may appreciate that the environmentalists are constantly working towards reducing pollution caused by emissions from the vehicles manufactured.

In response to the disclosure statement, JFE has argued that all the relevant factors analyzed by the authority show that the industry is in increasing recuperation. There is no persuasive explanation of price undercutting of grade 400 from Japan, which led to positive injury determination. There is no analysis of causal link to lead to the conclusion that the subject imports are the cause of the alleged injury. As per JFE the alleged injury

to the domestic industry is caused by imports from third countries. The methodology adopted for determining injury margin may be disclosed.

19. Submissions of M/s Outokumpu Stainless Steel, Oy (former Avesta Polarit Oyj Abp.), Finland

The authority may examine so called injury and the causal link, if any before any decision is taken in this behalf. Even assuming that there is dumping of the subject goods (which has not been established), the anti dumping duty cannot be imposed unless it is shown that the domestic industry has suffered injury and that the alleged dumping has caused the injury. It has further been argued in response to the disclosures that injury analysis is incomplete and not in conformity with the rules. The authority should not have determined the injury for all the grades put together. The parameters evaluated by the Authority do not show any material injury to the domestic industry. No causal link has been established. The anti dumping duty should be revoked on the subject goods.

20. Analysis of injury parameters:

The Authority has analyzed the various injury parameters of domestic industry on aggregate basis in respect of like article of subject goods viz., 'Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not of all grades/series'. This is as per requirement of Rule 11 (2). Wherever price comparability is affected, the Authority attempted to make comparison series or grade wise. However, the exporters have not cooperated by furnishing information regarding series wise export volumes and prices and the Authority had to rely on best available information. The authority has analyzed the information in respect of various injury parameters of domestic industry as under:

21. Volume of dumped imports:

The volume of imports of subject goods as per DGCI&S data has been found as under:

Particulars/Imports MT	2000-01	2001-02	2002-03	2003-04
Subject Countries:				
European Union	13285	19433	10776	14984
Canada	1463	1791	697	673
Japan	2530	2663	4014	2723
USA	5207	3898	2599	3724
Subject Countries total	22485	27785	18086	22105
Other Countries	7718	13147	13158	19382
Total Imports	30204	40931	31244	41487
Imports from Subject Countries as % of Total imports	74.45%	67.88%	57.89%	53.28%
European Union	43.99%	47.48%	34.49%	36.12%

Canada	4.84%	4.37%	2.23%	1.62%
Japan	8.38%	6.51%	12.85%	6.56%
USA	17.24%	9.52%	8.32%	8.98%
Imports from Subject Countries as % of Domestic Production	67.49%	95.52%	35.78%	39.86%
European Union	39.87%	66.80%	21.32%	27.02%
Canada	4.39%	6.16%	1.38%	1.21%
Japan	7.59%	9.16%	7.94%	4.91%
USA	15.63%	13.40%	5.14%	6.72%
Imports from Other Countries as % of Domestic Production	23.17%	45.19%	26.03%	34.95%
Imports from Subject Countries as % of Total Demand	33.77%	30.87%	18.48%	19.40%
European Union	19.95%	21.59%	11.01%	13.15%
Canada	2.20%	1.99%	0.71%	0.59%
Japan	3.80%	2.96%	4.10%	2.39%
USA	7.82%	4.33%	2.66%	3.27%
Imports from Other Countries as % of Total Demand	11.59%	14.60%	13.45%	17.01%

The Authority found that imports of subject goods from subject countries did not show any significant trend of decline or increase, the imports were 22485 MT during 2000-01 and these were 22105 MT during 2003-04 (POI). However, total imports of subject goods increased from 30204 MT to 41487 MT. The share of imports from subject countries in total imports had come down from 74.45% in 2000-01 to 53.28% during POI. The share of imports from subject countries as a share of domestic production declined from 67.49% to 39.86% during POI.

22. Price Effect:

Price Undercutting:

The Authority examined the effect of the dumped imports on the prices in the domestic market of subject goods. While examining the price undercutting, the Authority considered the sales realization of the domestic industry for subject goods and compared it with the landed value of imports from subject countries. The price undercutting was found to be as under in respect of import transaction showing grade of the subject goods:

	EU	Canada	Japan	USA
Value Rs./PMT	300	400	300	400
Landed Value -	114187	83845.29	52055.88	64968.52

NSR	***	***	***	***	***	***	***	***
Price Undercutting	***	***	***	***	***	***	***	***
Price Undercutting%	(-) 6-16	(-) 40-50	45-55	-	35-45	(-) 5-15	65-75	-

As the DGCI&S data of imports did not give details of grades/series of subject goods for all transactions, and there was no cooperation from exporters, the Authority also examined the price undercutting on an aggregate basis by comparing the weighted average sales realization of domestic industry for all series / grades with the landed value of total dumped imports from subject countries and found the price undercutting as under:

	EU	Canada	Japan	USA
Landed Value	109857	86301	72097	65579
NSR	***	***	***	***
Price undercutting	***	***	***	***
Price undercutting %	(-)25-35	(-)0-10	15-25	17-27

The authority found that there was negative price undercutting in respect of imports from EU and a very marginal negative price undercutting from imports from Canada. However, there were price undercutting from imports from Japan and USA.

23. Capacity, output and capacity utilization of domestic industry:

The Authority found the production capacity, output and capacity utilization of the domestic industry as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Capacity	MT	30000	90000	90000	90000
Production	MT	33318	29089	50543	55453
Capacity Utilization	%	111	32.32	56.16	61.61

The Authority found that the domestic had increased its production capacity from 30000 MT to 90000 MT p.a., which is quite substantial. Output of the domestic industry showed improvement and it increased to 55453 MT during POI from 33318 MT during 2000-01. The capacity utilization also showed improvement as it increased to 61.61% during POI against the increased capacity of 90000.

24. Sales, Demand and Market Share:

Particulars	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Total Demand (MT)	66590	90019	97862	113951
Market Share of Domestic Industry	54.64%	54.53%	68.07%	63.59%
Imports from Subject	33.77%	30.87%	18.48%	19.40%

Countries as % of Total Demand					
European Union	19.95%	21.59%	11.01%	13.15%	
Canada	2.20%	1.99%	0.71%	0.59%	
Japan	3.80%	2.96%	4.10%	2.39%	
USA	7.82%	4.33%	2.66%	3.27%	
Imports from other Countries as % of Total Demand	11.59%	14.60%	13.45%	17.01%	

The Authority found that the sales of M/s Jindal Stainless increased with reference to the base year from 18586 MT to 41464 MT. The share of domestic industry in total demand increased from 54.64% to 63.59% during POI. The share of dumped imports from subject countries in total demand declined from 33.77% to 19.4% during POI. The share of imports from other countries in total demand increased from 11.59% to 17.01% during POI.

25. Profitability:

The profitability of domestic industry in the sales of subject goods has been analyzed as under for the POI:

	200 Series	300 Series	400 Series	Aggregate
Cost of Production PMT	***	***	***	***
NSR- PMT	***	***	***	***
Loss PMT	(-)***	(-)***	(-)***	(-)***

The profitability of domestic industry in the sales of subject goods has been found as under for the injury period:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Sales	Indexed	100	137	204	247
Cost of Sales		100	166	236	250
Profit/Loss		(-100)	(-485)	(-591)	(-289)

The Authority found that the losses of the domestic industry in the sales of subject goods had come down during POI, however, the domestic industry continued to have losses during the POI.

26. Employment:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Employees	Indexed	100	104	120	120

The above analysis showed that there was increase in the number of employees in the industry. This was mainly on account of the increased capacity and output of the company.

27. Productivity:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Productivity per Employees	Indexed	100	84	127	139

The Authority found that the productivity of the domestic industry had improved as the domestic industry increased its output significantly whereas the increase in the number of employees was not so significant.

28. Return on Investment:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Return on capital employed	Indexed	100	(-)317.60	(-)540.38	(-)57.63

The Authority found that the domestic industry had negative return on capital employed during the POI as well as previous two years. However, there was some improvement as the extent of loss had declined.

29. Factors affecting domestic prices:

The Authority examined the sales price and cost of production of domestic industry. The sales prices were affected by the dumped imports. However, the sales realization improved during POI.

30. The magnitude of margin of dumping:

It was found that the margin of dumping in respect of exports from EU was 19.9%. The margin of dumping was 64.49% for Japan, 130.93% for USA and 150.90% for Canada. The dumping margin except for EU was found to be substantial.

31. Actual and potential negative effects on Cash Flow:

The profit / loss before interest was found as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004

Profit/Loss	Indexed	(-)100	(-) 485	(-) 591	(-) 289
Add: Interest	Indexed	100	235.77	231.62	205.80
Total	Indexed	100	(-) 757.74	(-) 1204.50	(-) 126.48

The cash flow was as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Cash Flow (Profit/Loss + Depreciation)	Indexed	(-)100	(-) 942	(-) 1154	(-) 376

The Authority noted that there was some improvement in the cash flow position of domestic industry during the POI in comparison to the previous two years, however, the cash flow was negative.

32. Inventories:

The Authority analyzed the closing stock of subject goods of domestic industry in absolute quantity as well as ratio of closing stock to annual production as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Closing Stock	Indexed	100	33	34	36
Closing stock as % of production	Indexed	(100)	(38)	(22)	(21)

The Authority found that inspite of increased production, the inventory of the domestic industry had come down significantly due to higher sales. This showed significant improvement in performance.

33. Growth:

The Authority analyzed the growth of domestic industry on parameters such as sales, demand and market share of domestic industry in demand on a year to year basis as under:

Particulars	Unit	2000-01	2001-2002	2002-2003	2003-2004
Growth in Sales Volume	%	--	34.91	35.71	8.78
Growth in Total Demand	%	--	35.18	8.71	26.59
Growth in market share of domestic industry	%	--	(-) 0.2	24.84	16.62

The growth in terms of sales, demand and domestic industry's share in demand showed improved performance.

34. Ability to raise capital or investment:

The domestic industry has shown improved performance during the POI though the returns on capital employed were negative during POI in respect of subject goods. The domestic producer also produces HR Coils which contributes to the overall profitability of the company. The company is capable to raise new investment.

35. Overall assessment of injury:

The authority found that the parameters like output, sales, market share and productivity have shown improved performance by the domestic industry during the POI. Against the increased production capacity of 90,000 MT, the domestic industry achieved a capacity utilization of 61.61% during POI. Inventories have declined in the face of increased production. The available data regarding imports showed dumping from subject countries in different magnitude. The exports from subject countries were found to be dumped with a dumping margin ranging from 19.90% to 150.90%. The market share of the imports from subject countries in total demand has declined to 19.4% during POI from 33.77% during 2000-01. The share of domestic industry in total demand has also increased to 63.51% from 54.64%. The exports from EU and Canada had not caused any price undercutting on the domestic sales of the industry. There was Price undercutting in the case of dumped imports from Japan and USA. Cash flow has improved. There is also no price underselling from the imports from EU and Canada. The losses in sales of subject product have declined. These trends indicate that the domestic industry is in the path to recovery. The improved performance by the domestic industry on parameters like production, capacity utilization, sales, improved market share, higher productivity and growth can also be attributed to the anti dumping duty imposed in year 2001 as well as to the general improvement in the state of steel industry worldover. The domestic industry continued to suffer losses in the sale of subject goods, though the losses have declined significantly. Thus the domestic industry continued to suffer material injury.

36. Causal Link and Likelihood of recurrence of dumping and injury:

As per the above evaluation, the authority found that the demand of the subject goods has been rising. There was an increase of 71% in demand during the POI over the year 2000-01. The domestic industry has increased the production capacity in keeping with the increase in demand. Against the increased production capacity of 90,000 MT, the domestic industry achieved a capacity utilization of 61.61% during POI. Their share in total demand has also increased to 63.51% from 54.64%. These trends indicate that the domestic industry is on the path to recovery. However, the available data regarding imports showed dumping from subject countries in different magnitude. The improved performance by the domestic industry on parameters like production, capacity utilization, sales, improved market share, higher productivity and growth can also be attributed to the anti dumping duty imposed in year 2001 as well as to the general improvement in the state of steel industry worldover. The domestic industry continued to suffer losses in the sale of subject goods, though the losses have declined

significantly. The current injury is attributable to the dumped imports from subject countries. The industry could not achieve higher capacity utilization due to significant quantity of dumped imports. The demand of the product has been increasing continuously and thus decline in demand can not be a cause of injury to the domestic industry. No technological development or trade restrictive practice has been found to be the cause of the injury. Productivity of the domestic industry has improved and can not be a cause of injury. The losses of domestic industry have been found in the domestic sales of subject goods and can not be attributed to exports. The authority however, is of the view that imposition of anti dumping duty has helped the domestic industry in recovery and improved performance. The dumping of subject goods has continued. Withdrawal of anti dumping duty may lead to intensified dumping and recurrence of injury to the domestic industry. The authority, therefore, considers it appropriate to not withdraw the anti dumping duty. Having regard to the Lesser Duty Rule followed by the authority, the authority recommends imposition of anti dumping duty equal to the margin of dumping or margin of injury, whichever is lesser. The authority found that the injury margin in respect of imports from EU are negative as the landed value of dumped imports are higher than the Non-Injurious Price of the domestic industry for subject goods in the comparisons made both at the aggregate level of imports as well as on the basis of series-wise data to the extent available. Regarding the argument of the domestic industry about certain share of imports from EU being at less than NIP, the Authority did not find the averment as correct as the total imports from EU as per injury analysis were 14984 MT and not 8079 MT as contended by the domestic industry. The share of 1786 MT allegedly claimed to be sold at below NIP is 11.9% and not 22% as contended by the domestic industry. Even assuming this as correct, this is not considered significant by the Authority. In addition the Authority also found the trend of sales realization of the domestic industry increasing during POI. In respect of imports from Canada also the Authority found that the injury margin in respect of imports from Canada is negative as the landed value of dumped imports is higher than the Non-Injurious Price of the domestic industry for subject goods in the comparison made at the aggregate level of imports. As regards the argument of the domestic industry that price underselling evaluation is of no relevance in this review investigation due to the existing duties on a reference price basis, the Authority's views are that the Authority invariably determines NIP in every review investigation. Moreover, the same export prices have been used for determining dumping margins. Therefore, the export prices are relevant and so also the analysis of price undercutting and price underselling. The Authority therefore, is of the view that since the injury margin is negative in respect of imports from EU and Canada, anti dumping duty may not be recommended on imports of subject goods from EU and Canada. The Authority recommends continuation of anti dumping duty, in pursuance to this review on imports from USA and Japan.

H. CONCLUSIONS

37. The Authority has, after considering the foregoing, come to the conclusion that in the review investigation:

- (i) Subject goods have been found to be exported from subject countries to India below their normal value resulting in dumping.
- (ii) The domestic industry continues to suffer material injury.
- (iii) Due to the likelihood of recurrence of injury to the domestic industry as a result of the continued dumping, the anti dumping duty may continue to remain imposed.
- (iv) Due to the negative injury margin in respect of imports from EU and Canada, the anti dumping duty on EU and Canada may be withdrawn and anti dumping duty may remain in force in respect of USA and Japan.

38. The Authority, therefore, in accordance with Rule 23, recommends continuance of anti dumping duty imposed on imports of Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not of all grades/series (covered under Heading No.7219.31, 7219.32, 7219.33, 7219.34, 7219.35 and 7219.90 of Chapter 72 of the First Schedule of the Customs Tariff Act), originating in or exported from USA and Japan. It is decided to recommend the amount of anti-dumping duty equal to the margin of dumping or less, which if levied, would remove the injury to the domestic industry. The landed price of imports was also compared with the non-injurious price of the domestic industry, determined for the period of investigation. The anti dumping duty recommended under this notification is to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government. In the original investigation, the anti dumping duty had been recommended on the basis of a reference price. The Authority has noted that the prices of subject goods have seen volatility during the recent past. The Authority, therefore, considers it appropriate to recommend fixed anti dumping duty in pursuance to this review. The anti-dumping duty shall be the amount mentioned in Col. 9 in the following Table in US\$/MT:

S. No	Sub-Headin g	Description of Goods	Specific ation	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of Me asu rem ent	Curren cy
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and 7219.90	Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not	All Grades/ Series	USA	Any country	Any producer	Any exporter	445.69	MT	US\$
2.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and	Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of	All Grades/ Series	Any countr y	USA	Any producer	Any exporter	445.69	MT	US\$

	7219.90	a width of 600mm or more, whether further processed or not								
3.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and 7219.90	Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not	All Grades/ Series	Japan	Any country	Any producer	Any exporter	305.00	MT	US\$
4.	7219.31 7219.32 7219.33 7219.34 7219.35 and 7219.90	Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel, of a width of 600mm or more, whether further processed or not	All Grades/ Series	Any country	Japan	Any producer	Any exporter	305.00	MT	US\$

39. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

40. An appeal against this order shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

CHRISTY L. FERNANDEZ, Designated Authority